दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik | asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005 | www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 143 ■ दमण, रविवार 22, फरवरी 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

प्रधानमंत्री मोदी ने फॉक्सकॉन और एचसीएल के संयुक्त उद्यम के चिप संयंत्र की आधारशिला रखी

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्रेटर नोएडा के जेवर में फॉक्सकॉन और एचसीएल के संयुक्त उद्यम के चिप संयंत्र की आधारशिला रखी। समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर दोनों मोर्चों पर काम कर रहा है। सेमीकंडक्टर इकोलॉजी में उत्तर प्रदेश की भागीदारी गर्व का क्षण है। पीएम ने कहा कि यूपी भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम का बड़ा सेंटर बनने जा रहा है, दुनिया भारत को टेक फ्यूचर के सेंटर के रूप में देख रही है। पीएम मोदी ने कहा, आत्मनिर्भरता के बगैर विकसित भारत का लक्ष्य हासिल नहीं हो सकता है, 'मेड इन इंडिया सेमीकंडक्टर चिप इस दिशा में बहुत महत्वपूर्ण है। सेमीकंडक्टर के लिए दुर्लभ खनिज बहुत महत्वपूर्ण, भारत इस दिशा में ठोस कदम उठा रहा है। मेक इन इंडिया मजबूत ब्रांड के रूप में उभरा है और पिछले 11 सालों में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण छह गुना, निर्यात आठ गुना और मोबाइल विनिर्माण 28 गुना बढ़ा है। आज उत्तर प्रदेश नई निवेश परियोजनाओं और कारखानों के लिए चर्चा में है, एक दशक पहले ये राज्य गलत कारणों से जाना जाता था। फॉक्सकॉन-एचसीएल के सेमीकंडक्टर चिप संयंत्र से उत्तर प्रदेश में विकास की रफ्तार और तेज होगी। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण में स्थापित होने वाली यह आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट सुविधा, इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड द्वारा मॉडिफाइड स्कीम फॉर सेमीकंडक्टर असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग (एटीएमपी) योजना के तहत स्थापित की जा रही है। 3,700 करोड़ से अधिक के कुल निवेश वाली यह परियोजना घरेलू विनिर्माण क्षमताओं को

मजबूत करने, आयात पर निर्भरता कम करने और मजबूत ग्लोबल सप्लाई चेन बनाने के सरकार के प्रयासों के अनुरूप है। यह सुविधा मोबाइल फोन, टैबलेट, लैपटॉप, ऑटोमोटिव, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य उपकरणों जैसे प्रमुख क्षेत्रों को सहयोग प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राजस्थान पवेलियन का किया दौरा

नई दिल्ली (ईएमएस)। फरवरी 2026। भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित इंडिया अकइम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान शनिवार को केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राजस्थान पवेलियन का दौरा किया। इस अवसर पर वैष्णव को राजस्थान सरकार की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) के क्षेत्र में प्रमुख पहलों की विस्तृत जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के इन नवाचारों में शासन में अक का उपयोग, नागरिक-केंद्रित सेवाओं का डिजिटलीकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि एवं प्रशासनिक क्षेत्रों में अकआधारित प्रयास शामिल हैं। अश्विनी वैष्णव ने राजस्थान सरकार के अक-आधारित शासन को आगे बढ़ाने एवं राज्य में डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देने वाले इन नवाचारी प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि राजस्थान के ये प्रयास भारत की समग्र अकरणनीति के अनुरूप हैं, जो समावेशी, जिम्मेदार और नागरिक-केंद्रित विकास पर आधारित है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान पवेलियन में लगभग 20 स्टॉल्स के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा राजस्थान में टेक्नोलॉजी के माध्यम से हो रहे नवाचारों को बखूबी प्रदर्शित किया गया। यह पवेलियन राजस्थान की अकक्षमताओं और डिजिटल गवर्नेंस में प्रगति को राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर रहा।

इस बार चार धाम यात्रा में ज्यादा होगा खर्चा

देहरादून (ईएमएस)। साल 2026 में चारधाम यात्रा 19 अप्रैल से शुरू होने जा रही है। इस बार चारधाम यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं को अपने सफ़र के लिए कुछ जेब ढीली करनी पड़ सकती है। इसका मतलब आने वाली चारधाम यात्रा में किराये में बढ़ोतरी हो सकती है। हालांकि यह कितनी बढ़ोतरी होगी इसका फैसला परिवहन विभाग की अगले हफ्ते होने वाली बैठक में तय किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक ट्रांसपोर्टर और बस ऑपरेटर ने इस बार किराए बढ़ाने की मांग की है जिसमें 10 से 20 प्रतिशत किराए में बढ़ोतरी की जा सकती है। बस ऑपरेटर और ट्रांसपोर्टर ने डीजल, बीमा राशि और वाहनों के अन्य खर्चों में हो रही वृद्धि को देखते हुए किराए बढ़ाने की मांग की है। उत्तराखंड के चार धाम, जिसमें गंगोत्री यमुनोत्री बद्रीनाथ और केदारनाथ आते हैं। इन चारों धामों में लाखों श्रद्धालु हर साल दर्शन करने पहुंचते हैं। साल 2025 में 50 लाख से ज्यादा श्रद्धालु चारों धामों में दर्शन करने पहुंचे थे। अब साल 2026 की चार धाम यात्रा मैं उम्मीद की जा रही है कि यह पिछले रिकॉर्ड तोड़ेगी। अभी फिलहाल बद्रीनाथ धाम के 23 अप्रैल को कपाट खोलने की तिथि जारी हुई है। केदारनाथ धाम के 22 अप्रैल को कपाट खोलने की तिथि जारी हुई है। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट अक्षय तृतीया के दिन खुलते हैं। इस बार अक्षय तृतीया 19 अप्रैल को है। इस लिहाज से यह माना जा रहा है कि 19 अप्रैल से उत्तराखंड के चारधाम यात्रा विधिवत शुरू हो जाएगी। परिवहन विभाग ने साल 2022 में पहली बार चार धाम यात्रा के लिए वाहनों का किराया अलग से तय किया था अब प्रदेश में संचालित सामान्य व्यावसायिक वाहनों से अलग मानकर चार धाम यात्रा के वाहनों का किराया वाहनों की श्रेणी के हिसाब से निर्धारित किया गया था। अब इसी आधार पर परिवहन विभाग नाम बस ऑपरेटर और ट्रांसपोर्टर की मांग को देखते हुए शासन को रिपोर्ट भेजी है जिसमें बस ऑपरेटर और ट्रांसपोर्टर की मांगों पर विचार किया जाएगा।

असली आज़ादी

रविवार 22, फरवरी 2026, दमण।

अमेरिकी टैरिफ पर कांग्रेस ने कहा- मामला कोर्ट में था, केंद्र को जल्दबाजी नहीं करना थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टैरिफ को लेकर अमेरिकी अदालती घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के साहसिक कदम की सराहना की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि अदालत की वैचारिक बनावट के बावजूद 6-3 का यह निर्णय ट्रंप की पूरी टैरिफ रणनीति के लिए एक बड़ा झटका है। रमेश के अनुसार, यह फैसला राष्ट्रपति की शक्तियों पर अंकुश लगाने और लोकतांत्रिक संतुलन बनाए रखने की दिशा में एक बड़ा उदाहरण है। वहीं, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने इस फैसले के बहाने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब अमेरिकी अदालत में यह मामला लंबित था, तो भारत सरकार ने इतनी जल्दबाजी क्यों दिखाई?

खेड़ा ने आरोप लगाया कि यदि भारत कुछ दिन और इंतजार करता, तो देश एकतरफा और कथित तौर पर भारत-विरोधी व्यापार सौदे में फंसने से बच सकता था। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा फरवरी की शुरुआत में वॉशिंगटन को किए गए फोन कॉल और भारत की शुरुआती इंतजार करने की रणनीति में आए बदलाव पर सवाल उठाते हुए इसे कूटनीतिक चूक करार दिया। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी अदालत का यह फैसला वैश्विक व्यापारिक परिदृश्य को बदल सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप जिस आपातकालीन कानून के सहारे वैश्विक व्यापार को अपने अनुसार ढालने की कोशिश कर रहे थे, उसे अब कानून सम्मत नहीं माना गया है। इससे उन देशों को बड़ी राहत मिली है जो अमेरिकी टैरिफ के कारण आर्थिक दबाव झेल रहे थे। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि अमेरिकी प्रशासन इस कानूनी बाधा के बाद अपनी नई आर्थिक रणनीति किस प्रकार तैयार करता है और भारत के साथ हुए हालिया समझौतों पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक और दूरगामी फैसले में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लागू किए गए व्यापक व्यापारिक शुल्कों (टैरिफ) के बड़े हिस्से को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया है। 6-3 के बहुमत से आए इस निर्णायक फैसले ने न केवल ट्रंप के आर्थिक एजेंडे के मुख्य स्तंभ को ध्वस्त कर दिया है, बल्कि भारत सहित अमेरिका के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के लिए भी नई स्थितियां पैदा कर दी हैं। इस अदालती आदेश के बाद भारत में भी राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है, जहाँ विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार की विदेश और व्यापार नीति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। अमेरिकी शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने बहुमत का पक्ष रखते हुए राष्ट्रपति की कार्यकारी शक्तियों की संवैधानिक सीमाओं को स्पष्ट किया। अदालत ने यह निर्धारित किया कि राष्ट्रपति के पास 1977 के इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट के तहत बिना संसदीय अनुमति के वैश्विक व्यापार को पूरी तरह से पुनर्गठित करने या असीमित मात्रा और अवधि के लिए आयात शुल्क थोपने का अधिकार नहीं है। फैसले में स्पष्ट किया गया कि इस तरह के व्यापक आर्थिक बदलावों के लिए स्पष्ट विधायी अनुमति अनिवार्य है और राष्ट्रपति एकतरफा तरीके से इन शक्तियों का प्रयोग नहीं कर सकते।

वलसाड में कार-ट्रक की भीषण टक्कर में चली गई सात लोगों की जान

-कुंभ घाट के पास हुआ दर्दनाक हादसा, एक गंभीर घायल

वलसाड (एजेंसी)। गुजरात के वलसाड जिले के कपराडा इलाके में कुंभ घाट के पास शनिवार को एक भीषण सड़क हादसे में सात लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा इको कार और एक ट्रक के बीच हुई जोरदार टक्कर के कारण हुआ। दुर्घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कार सवार सभी लोग आंबा जंगल क्षेत्र के निवासी थे और कपराडा से नानापोढ़ा की ओर जा रहे थे। कुंभ घाट के पास सामने से आ रहे ट्रक से उनकी कार की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा इतना भयावह था कि मौके पर ही सात लोगों ने दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान एक ही परिवार के सदस्यों के रूप में हुई है, जिससे पूरे इलाके में मातम पसर गया है। हादसे में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। दुर्घटना के बाद सड़क पर लंबा जाम लग गया, जिसे कड़ी मशक्कत के बाद हटाया गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात बहाल कराया। प्राथमिक जांच में तेज रफ्तार और घाट क्षेत्र की घुमावदार सड़क को हादसे का संभावित कारण माना जा रहा है। हालांकि पुलिस ने मामला दर्ज कर विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

देश में 32 विश्वविद्यालय फर्जी, यूजीसी ने जारी ताजा सूची

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने देश में चल रहे 32 फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची जारी की है। ये गैर मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय खुद को वैध बताकर छात्रों को गुमराह कर रहे थे। यूजीसी ने चेतावनी दी है कि इनमें से मिली डिग्री नौकरी और उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए अवैध हैं। यूजीसी की राज्यवार फर्जी संस्थानों की सूची में सबसे ज्यादा 12 संस्थान दिल्ली में हैं। इसके बाद उत्तर प्रदेश में 4 फर्जी संस्थान हैं। यूजीसी ने साफ किया है कि ये 32 संस्थान यूजीसी अधिनियम, 1956 के तहत किसी भी रूप में डिग्री प्रदान करने के लिए अधिकृत नहीं है। आयोग ने कहा कि इन संस्थानों को न केंद्र सरकार से मान्यता मिली है और न ही किसी राज्य सरकार से मान्यता हासिल की है। यूजीसी ने छात्रों से अपील की है कि किसी भी विश्वविद्यालय या संस्थान में दाखिला लेने से पहले उसकी मान्यता की स्थिति यूजीसी की आधिकारिक वेबसाइट पर अवश्य जांच लें।

राज्य के हिसाब से नकली यूनिवर्सिटी की संख्या इस तरह है- दिल्ली में सबसे ज्यादा 12, उत्तर प्रदेश में 4, आंध्र प्रदेश में 2, कर्नाटक में 2, केरल में 2, महाराष्ट्र में 2, पुडुचेरी में 2, पश्चिम बंगाल में 2, अरुणाचल प्रदेश में 1, हरियाणा में 1, झारखंड में 1 और राजस्थान में 1नकली यूनिवर्सिटी संचालित हो रही है।

दर्दनाक दुर्घटना में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत, अनियत्रिंत होकर कार तालाब में डूबी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। कानपुर देहात जिले में एक दर्दनाक दुर्घटना में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हुई। जानकारी के अनुसार, औरैया जिले का रहने वाला परिवार कल्याणपुर में एक रिश्तेदार के घर समारोह में शामिल होकर लौट रहा था। तभी सवई गांव के पास उनकी निजी वैन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे तालाब में जा गिरी। बताया जा रहा है कि वाहन में कुल 11 लोग सवार थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, इसके बाद वैन सीधे तालाब में चली गई और गहरे पानी में डूबने लगी। लोगों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। शिवली थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया। जेसीबी मशीन और स्थानीय गोताखोरों की मदद से काफी मशक्कत के बाद वैन को तालाब से बाहर निकाला गया। इस हादसे में राजकिशोर अग्निहोत्री (60), उनकी पत्नी स्नेहलता अग्निहोत्री (55), बेटी हिमांशी अग्निहोत्री (30) और दो वर्षीय पोते शिव अग्निहोत्री की मौत हो गई। सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चारों को मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों को बेहतर इलाज के लिए कानपुर के लाला लाजपत राय अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। फरार चालक राजकुमार की तलाश जारी है। इसी तरह का एक और हादसा संभल जिले में सामने आया। मझावली गांव के पास तेज रफ्तार कार ट्राई साइकिल को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर तालाब में जा घुसी। इस घटना में वीरपाल नामक युवक घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। लगातार हो रहे इसतरह हादसे सड़क सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं।

दुष्कर्म की कोशिश में असफल होने पर आरोपी कर्नल कुरै ने की थी शर्मिला की हत्या

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में हुए महिला टेक्नीशियन शर्मिला की हत्या मामले में पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। मंगलौर निवासी शर्मिला का शव 16 जनवरी को राममूर्ति नगर स्थित उसके घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। जांच में सामने आया कि उसकी हत्या पड़ोस में रहने वाले 18 वर्षीय युवक कर्नल कुरै ने की थी। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उसने शर्मिला के फ्लैट में घुसने से पहले कई बार रेकी की थी और हवस के चलते दुष्कर्म की कोशिश में असफल होने पर हत्या कर दी। कुरै ने कबूल किया कि उसने शर्मिला को पीछे से पकड़ लिया और जब शर्मिला ने विरोध किया, तब उसका सिर सोफे से टकरा गया। इसके बाद उसने दोनों हाथों से गला दबाकर उसकी हत्या की। हत्या के बाद आरोपी ने शर्मिला के कपड़े उतारकर उन्हीं से खून साफ किया और पानी से धो दिया। इसके बावजूद आरोपी ने मृतक शर्मिला के शव के साथ भी अश्लील हरकत करने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने शव को अलमारी से कपड़े पहनाकर सीधे लिटा दिया ताकि किसी को शक न हो। उसने पहले बिस्तर पर टॉप और कुछ कपड़े रखकर टिश्यू पेपर से आग लगाने की भी कोशिश की थी, लेकिन पैंट गायब हो गई, जिसे उसने पड़ोस के पेड़ पर फेंक दिया। इसके अलावा उसने युवती का मोबाइल भी अपने साथ ले लिया। राममूर्ति नगर पुलिस की लगातार पूछताछ और साक्ष्यों के आधार पर कुरै ने पूरा मामला कबूल कर लिया है। पुलिस अभी आरोपी से और जानकारी जुटा रही है, ताकि उसके मानसिक स्थिति और घटना के पीछे के कारणों का पूरा पता लगाया जा सके। यह मामला न सिर्फ स्थानीय लोगों के लिए बल्कि पूरे शहर में गंभीर चिंता का विषय बन गया है। यह घटना महिलाओं की सुरक्षा और पड़ोसी के भरोसे पर उठाए जाने वाले सवालों को भी उजागर करती है, जबकि आरोपी की मानसिक स्थिति और उसकी पूर्व योजना इस मामले को और भी भयानक बनाती है

कोटा में अवैध हथियार के साथ पकड़ाया युवक, रह चुका है यूथ कांग्रेस का अध्यक्ष

कोटा (एजेंसी)। राजस्थान के कोटा शहर में अवैध हथियारों के खिलाफ चल रहे अभियान के दौरान पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस के मुताबिक उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि नया नोहरा रोड इलाके में एक युवक संदिग्ध हालत में घूम रहा है और उसके पास अवैध हथियार हो सकता है। सूचना मिलते ही पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की और संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद हुए। शुरुआती पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि उसने यह पिस्टल कथित तौर पर कोहिनूर गैंग के कुछ सदस्यों से खरीदी थी। पुलिस को शक है कि वह इस हथियार को आगे किसी और को बेचने की फिराक में था। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि हथियार किसे और किस मकसद से बेचा जाना था। आरोपी कांग्रेस की यूथ विंग से जुड़ा बताया जा रहा है और वह पहले विधानसभा क्षेत्र का यूथ कांग्रेस अध्यक्ष भी रह चुका है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस अब पूरे मामले की तह तक जाने की कोशिश कर रही है।

राहुल गांधी मुर्दाबाद, मुर्दाबाद के नारे लगाकर लखनऊ में भाजयुमो के कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ भाजयुमो के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने वीवीआईपी गेस्ट हाउस के सामने से कांग्रेस दफ्तर की ओर कूच किया। इस दौरान पुलिस ने रोड को बैरिकेड करके पूरी तरह जाम किया है। भाजयुमोकार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी होश में आओ, होश में आओ और राहुल गांधी मुर्दाबाद, मुर्दाबाद जैसे नारे लगाए और कांग्रेस नेता का पुतला जलाया।

इस प्रदर्शन में लखनऊ के भाजयुमो महानगर, भाजपा पार्षद और अन्य पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता वीवीआईपी गेस्ट हाउस के पास इकट्ठा हुए। यह प्रदर्शन इंटरनेशनल एआई समिट में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के शर्ट उतारकर प्रदर्शन के विरोध में किया जा रहा है। भाजयुमो के उपाध्यक्ष संजय शुक्ला ने कहा कि राहुल गांधी भाजपा का विरोध करते-करते देश का विरोध कर रहे हैं। इन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रही एआई समिट में अपने कार्यकर्ता भेजकर वहां नग्न प्रदर्शन करवाया। इस प्रदर्शन से देश की छवि धूमिल हुई।

प्रदर्शन के दौरान भाजयुमो युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रियांशु दास द्विवेदी ने कहा कि राहुल गांधी लगातार इसतरह के बयान दे रहे हैं जो देश की एकता और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करते हैं। आरोप लगाया कि कांग्रेस नेतृत्व जनता को गुमराह करने का काम कर रहा है और भाजपा कार्यकर्ता इसका विरोध लोकतांत्रिक तरीके से कर रहे है। भाजपा नेता नीरज सिंह ने भी कहा कि कांग्रेस पार्टी मुद्दों से भटक चुकी है और केवल बयानबाजी की राजनीति कर रही है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर विरोध प्रदर्शन कर कांग्रेस ने देश की छवि को नुकसान पहुंचाया : रिजिजू

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में आयोजित एआई समिट के दौरान हुए हंगामे को लेकर सियासी बयानबाज़ी तेज हो गई है। केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने घटना पर तीखी प्रतिक्रिया देकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा अंतरराष्ट्रीय मंच पर विरोध प्रदर्शन कर कांग्रेस ने न केवल राजनीतिक मर्यादाओं का उल्लंघन किया है, बल्कि देश की छवि को भी नुकसान पहुंचाया है। रिजिजू के अनुसार, इस तरह का आचरण भारत को वैश्विक स्तर पर शर्मसार करता है और इससे गलत संदेश जाता है। रिजिजू ने कहा कि विपक्ष को सरकार की नीतियों की आलोचना करने का पूरा अधिकार है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मंच पर हंगामा करना या देश के खिलाफ माहौल बनाना उचित नहीं है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह सरकार का विरोध करने के बजाय देश की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने की राजनीति कर रही है। मंत्री ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि कांग्रेस को अपने व्यवहार के लिए माफी मांगनी चाहिए और आत्ममंथन करना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस की चुनावी स्थिति पर भी टिप्पणी की। उनका दावा है कि लगातार चुनावी हार से पार्टी हताश हो चुकी है और इसी कारण वह इस तरह के कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि जनता बार-बार कांग्रेस को नकार रही है, जिससे पार्टी में बेचैनी और बौखलाहट बढ़ रही है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर सीधा हमला बोला। उन्होंने राहुल गांधी को 'नासमझ' करार देकर आरोप लगाया कि वे विदेशों में भारत के खिलाफ बयान देते हैं, जो देशहित में नहीं है। इसके विपरीत, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि वे वैश्विक मंचों पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने और विश्व कल्याण के लिए काम कर रहे हैं। इस पूरे विवाद ने राजनीतिक माहौल को और गर्म कर दिया है, और आने वाले दिनों में इस पर बयानबाज़ी और तेज होने की संभावना है।

जम्मू-कश्मीर में सड़क किनारे रखा था आईईडी, सुरक्षाबलों ने की आतंकी साजिश नाकाम

दिल्ली में चांदनी चौक के कुछ धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों की सुरक्षा बढ़ाई

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में सड़क के किनारे ही इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोजिव डिवाइस (आईईडी) मिला है। कोहेस्तान कॉलोनी के पास ही गुलाब शेख मोहल्ले में इसे सड़क किनारे एक बैग में रखा गया था। हालांकि एजेंसियों को इसकी जानकारी मिल गई और बम निरोधक दस्ते ने पहुंचकर इसे निष्क्रिय कर दिया। एक दिन पहले ही बारामुला जिले के जांबाजपोरा इलाके में आईडी मिला था। सेना ने आईईडी मिलने के बाद इसे निष्क्रिय कर दिया। सेना का कहना है कि यह आतंकियों की साजिश है। बता दें घाटी में सुरक्षाबलों की सतर्कता और एजेंसियों के अलर्ट के चलते कई हादसे टाले गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में आतंकी खतरे की आशंका संबंधी खुफिया जानकारी मिलने के बाद शनिवार को लाल किले के आसपास के इलाके और चांदनी चौक के कुछ हिस्से समेत प्रमुख धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने संकेत दिया था कि लश्कर-ए-तैयबा ने कथित तौर पर भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों को हमले वाले स्थानों की सूची में रखा है, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने लाल किले के पास संभावित विस्फोट के खतरे को लेकर अलर्ट जारी किया है, जो प्रमुख पर्यटन स्थल और उच्च सुरक्षा वाला क्षेत्र है।

सूत्रों ने बताया कि ऐसी खुफिया सूचना है कि चांदनी चौक स्थित एक मंदिर को भी निशाना बनाया जा सकता है। खुफिया जानकारी का सत्यापन और आकलन किया जा रहा है। इसके मद्देनजर संवेदनशील धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। खुफिया एजेंसियों ने संकेत दिया है कि लश्कर-ए-तैयबा आईईडी आधारित हमले को अंजाम देने की कोशिश कर सकता है। सूत्रों के मुताबिक हमले की यह कथित साजिश आतंकी समूह द्वारा छह फरवरी को पाकिस्तान के इस्लामाबाद में एक मस्जिद में हुए विस्फोट का बदला लेने के प्रयासों से जुड़ी है।

सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसियां और दिल्ली पुलिस की इकाइयां समन्वय बनाए हुए हैं और सीसीटीवी निगरानी, वाहनों की जांच व संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती के जरिए से निगरानी बढ़ा दी गई है। यह चेतावनी 10 नवंबर, 2025 को लाल किले के पास हुए घातक कार विस्फोट की पृष्ठभूमि में जारी की गई है। विस्फोट में कम से कम 13 लोग मारे गए थे और 20 से ज्यादा घायल हुए थे। सुरक्षा एजेंसियों ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि के बारे में तुरंत पुलिस या आपातकालीन सेवाओं को सूचित करने का आग्रह किया है।

पैदल चलने वाले लोगों के लिए खास कदम उठा रही नीतीश सरकार... परिवहन विभाग की पहल

पटना (एजेंसी)। बिहार में पिछले साल 20 नवंबर 2025 को नई सरकार का गठन हुआ था। इस नई सरकार के बाद सात निश्चय-3 (2025-30) की योजनाएं शुरु हुई। इसमें सातवां निश्चय है सबका सम्मानजीवन आसान इसका मतलब है कि राज्य के लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को आसान और बेहतर है।

नीतिश सरकार इसी दिशा में लगातार काम कर रही है। अब खास तौर पर सड़कों पर पैदल चलने वाले लोगों की सुविधा और सम्मान का ध्यान रखते हुए भी कई अहम फैसले लिए गए हैं, ताकि उन्हें सुरक्षित और आरामदायक माहौल मिल सके।

दरअसल परिवहन विभाग की ओर से बताया गया हैं कि बिहार में विकास के काम तेजी से किए जा रहे हैं। राज्यवासियों की आमदनी बढ़ रही है, इस कारण राज्य की सड़कों पर दो पहिया-चार पहिया वाहनों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। हालांकि राज्य की सड़कों पर बढ़ते वाहनों की वजह से सड़कों पर पैदल चलने वाले यात्रियों को असुविधा होती है। सड़क पर सुरक्षित एवं सम्मान पूर्वक चलना पैदल चलने वाले लोगों का पहला मलभूत अधिकार है। इस लेकर बिहार परिवहन विभाग को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं, ताकि सड़कों पर पैदल चलने वाले लोगों को कोई परेशानी नहीं हो। सड़क सुरक्षा के मानकों को ध्यान में रखकर राज्य के शहरी क्षेत्रों में विशेषकर भीड़-भाड़ वाले स्थानों को चिन्हित कर जल्द फुटपाथ बनाने निर्देश दिए है। सड़कों पर पैदल चलने वाले लोगों की सुविधा के लिए चिन्हित जगहों पर जेब्रा क्रॉसिंग बनाने का निर्देश दिया है। पैदल चलने वाले लोगों की सुविधा के लिए चिह्नित स्थानों पर फुट ओवर ब्रिज/एस्केलेटर और अंडरपास बनाने का निर्देश दिया गया है। सभी सरकारी एवं निजी वाहन चालकों को प्रशिक्षण देने का निर्देश दिया गया है, ताकि वाहन चालक सड़कों पर पैदल चलने वाले लोगों के अधिकारों के प्रति संवेदनशील हो सके। राज्य के ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में अधिक सड़क दुर्घटना की संभावना वाली जगहों को चिह्नित कर पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ का निर्माण एवं सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्देश दिया गया है, ताकि उसका आकलन कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। राज्य की सड़कों पर पैदल चलने वाले लोगों को इस तरह की सभी सुविधाएं जल्द से जल्द मिल सकें, इसे लेकर परिवहन विभाग को तेजी से काम करने का निर्देश दिया गया है।

इंडिया गठबंधन ने सहयोगी सपा ने दिखाया कांग्रेस को आईना...शर्टलेस प्रदर्शन देश का अपमान

-मायावती, जगन मोहन रेड्डी और केटी राम राव ने की कांग्रेस की निंदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 'एआई इंडिया समिट 2026' के दौरान यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के शर्टलेस प्रदर्शन पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तेज हो गई हैं। समिट के पांचवें दिन हुए इस विरोध प्रदर्शन को कई दलों ने देश की छवि के खिलाफ बताया। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय स्तर का था, जिसमें देश-विदेश के प्रमुख प्रतिनिधि शामिल हुए थे। इंडिया गठबंधन में शामिल सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस घटनाक्रम को देश का अपमान बताया। समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने मोदी सरकार पर निशाना साधकर एआई समिट में चीन के मॉडल को प्रदर्शित करने पर सवाल उठाए। हालांकि उन्होंने भी स्पष्ट किया कि वे हंगामे के पक्ष में नहीं हैं और ऐसा कोई प्रदर्शन नहीं होना चाहिए जिससे विदेशी प्रतिनिधियों के सामने देश की छवि प्रभावित हो। ये देश के अपमान से जुड़ा मामला है।

इसी कड़ी में बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने एक्स पर इस घटनाक्रम को ÷अति-अशोभनीय और निंदनीय÷ बताया। उन्होंने कहा कि जब कोई कार्यक्रम वैश्विक स्तर पर सुर्खियों में हो, तब इस तरह का आचरण देश की गरिमा और छवि को नुकसान पहुंचाता है। उनके अनुसार राजनीतिक विरोध का तरीका संयमित और मर्यादित होना चाहिए। वहीं आंध्र प्रदेश के मंगलगिरी से विधायक नारा लोकेश ने भी कांग्रेस के प्रदर्शन पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि एआई समिट जैसे आयोजन भारत की तकनीकी प्रगति और नवाचार को प्रदर्शित करने का मौका हैं। इसतरह के अंतराष्ट्रीय मंच को राजनीतिक नाटकों में बदलना देश की वैश्विक प्रतिष्ठा को प्रभावित करता है। वहीं आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने कहा कि इस घटना ने देश को शर्मसार किया है। उन्होंने राजनीतिक मतभेदों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एकजुट चेहरा प्रस्तुत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उनके अनुसार राष्ट्रीय सम्मान सर्वोपरि होना चाहिए। देश के सम्मान के सामने कुछ भी नहीं होना चाहिए। तेलंगाना के सिरिसिला से विधायक केटी राम राव ने भी प्रदर्शन की निंदा कर कहा कि लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन विरोध के लिए उचित समय और स्थान का चयन जरूरी है। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन इस प्रकार के प्रदर्शनों के लिए उपयुक्त मंच नहीं है।

वहीं इंडिया गठबंधन में कांग्रेस की सहयोगी समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने मोदी सरकार पर निशाना साधकर एआई समिट में चीन के मॉडल को प्रदर्शित करने पर सवाल उठाए। हालांकि उन्होंने भी स्पष्ट किया कि वे हंगामे के पक्ष में नहीं हैं और ऐसा कोई प्रदर्शन नहीं होना चाहिए जिससे विदेशी प्रतिनिधियों के सामने देश की छवि प्रभावित हो। ये देश के अपमान से जुड़ा मामला है।

रक्षा मंत्रालय ने अग्निपथ योजना में किया पहला बड़ा बदलाव

- रक्षा मंत्रालय ने भर्ती के लिए उम्र सीमा बढ़ाई

नई दिल्ली ।

रक्षा मंत्रालय ने चार साल के अंतराल के बाद अग्निपथ योजना में पहला बदलाव किया है। योजना के तहत थल सेना, नौसेना और वायुसेना में भर्ती होने वाले अग्निवीरों की उपरी आयु सीमा अब 22 साल कर दी गई है। इससे पहले यह सीमा 21 साल थी। निचली आयु सीमा 17.5 साल पहले की तरह ही बनी रहेगी। मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि इस बदलाव से अधिक युवा इस योजना में शामिल होने का अवसर पाएंगे।

अग्निपथ योजना के तहत हर साल थल सेना, नौसेना और वायुसेना में करीब 50-55 हजार अग्निवीर भर्ती किए जाते हैं। यह भर्ती तकनीकी और गैर-तकनीकी दोनों श्रेणियों में होती है। तकनीकी क्षेत्रों में अधिक पेशेवर जवानों की जरूरत के कारण इस बदलाव को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, मुख्य कारण अधिक तकनीकी पेशेवरों को शामिल करना है।

12वीं पास करने वाले युवाओं की उम्र का निर्धारण एक जुलाई को होता है। ऐसे में जुलाई के बाद जन्म लेने वाला युवा 18 साल की उम्र में पहली बार आवेदन कर सकता है। इसके बाद यदि कोई तकनीकी डिप्लोमा करता है, तो उसकी उम्र सीमा 21 साल तक पहुंच जाती है, जिससे कई योग्य उम्मीदवार पहले आवेदन के योग्य नहीं होते थे। तकनीकी पेशेवरों की भर्ती से सेनाओं को कम समय में प्रशिक्षित किया जा सकता है। विशेष रूप से वायुसेना, नौसेना और थल सेना की कई शाखाओं में तकनीकी योग्य जवानों की आवश्यकता अधिक है। यही वजह है कि मंत्रालय ने उम्र सीमा में एक साल की बढ़ोतरी का फैसला लिया।

नोवार्टिस एजी भारत में अपनी सूचीबद्ध इकाई से निकल रहा है बाहर

कंपनी अपनी 70.68 फीसदी हिस्सेदारी निजी इक्विटी फर्मों के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम को बेचेगी

नई दिल्ली ।

स्विट्ज़रलैंड की दवा कंपनी नोवार्टिस एजी भारत में अपनी सूचीबद्ध इकाई नोवार्टिस इंडिया लिमिटेड से बाहर निकल रही है। कंपनी ने अपनी 70.68 फीसदी हिस्सेदारी निजी इक्विटी फर्मों के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम को बेचने की सहमति दी है। सौदे का मूल्य लगभग 15.9 करोड़ डॉलर (1,446 करोड़ रुपये) है। इकंसोर्टियम भारत के नियमों के अनुसार 26 फीसदी तक की अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदने के लिए 860.84 रुपये प्रति शेयर की अनिवार्य खुली पेशकश करेगा, जिसकी अनुमानित कीमत 552 करोड़ रुपये है। खुली पेशकश सफल होने पर कुल सौदा आकार करीब 1,998 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। बंबई स्टॉक एक्सचेंज पर नोवार्टिस इंडिया का शेयर 20 फीसदी बढ़कर 996.5 रुपये पर बंद हुआ। यह निवेशकों में विश्वास और सौदे के सकारात्मक असर को दर्शाता है। सूत्रों ने बताया कि नोवार्टिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वह भारत में नोवार्टिस का नेतृत्व करना जारी रखेंगे। नोवार्टिस ने बयान में कहा कि हमारी वैश्विक रणनीति के अनुरूप हम अपने अभिनव कार्डियो रीनल मेटाबॉलिक और ऑन्कोलॉजी पोर्टफोलियो का विस्तार कर रहे हैं जिसे हाल में बाजार में उतारा गया है। नोवार्टिस इंडिया स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध कंपनी है और नोवार्टिस हेल्थ से अलग है। ऐसे में इस सौदे से नोवार्टिस हेल्थ के संचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। कंपनी ने कहा कि भारत में उसके 9,000 से अधिक एसोसिएट हैं। क्रिस कैपिटल ने भारत में इंटास फार्मा, एरिस लाइफसाइंसेज, कोरोना रेमेडीज और ला रेनोन में निवेश किया हुआ है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि क्रिस कैपिटल भारत में नोवार्टिस इंडिया के पोर्टफोलियो को आगे कैसे बढ़ाना चाहती है। इस बारे में जानकारी के लिए क्रिस कैपिटल से फिलहाल संपर्क नहीं हो पाया।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड स्तर पर, 725 अरब डॉलर पहुंचा

- 6 फरवरी को समाप्त सप्ताह में भंडार घटकर 717.06 अरब डॉलर था

नई दिल्ली ।

भारत की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, 13 फरवरी 2026 को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 8.66 अरब डॉलर बढ़कर 725.72 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले 6 फरवरी को समाप्त सप्ताह में भंडार 6.71 अरब डॉलर घटकर 717.06 अरब डॉलर रह गया था। जनवरी में विदेशी मुद्रा भंडार का पिछला उच्चतम स्तर 723.774 अरब डॉलर था। रिजर्व बैंक के मुताबिक, विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा फॉरेन करेंसी एसेट्स (एफसीए) होता है। रिपोर्टिंग सप्ताह में एफसीए 3.55 अरब डॉलर बढ़कर 573.60 अरब डॉलर हो गया। एफसीए में डॉलर के अलावा यूरो, पाउंड और येन जैसी विदेशी मुद्राओं के मूल्य में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी शामिल होता है। इसी अवधि में गोल्ड रिजर्व में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। सोने का भंडार 4.99 अरब डॉलर बढ़कर 128.46 अरब डॉलर पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत का स्पेशल ड्रॉइंग राइट 10.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.92 अरब डॉलर हो गया। वहीं आईएमएफ में आरक्षित स्थिति 1.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.734 अरब डॉलर रही। विशेषज्ञों के अनुसार, मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार आयात भुगतान, रुपये की स्थिरता और वैश्विक आर्थिक संकट के समय सुरक्षा कवच का काम करता है। इसके साथ ही यह विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ाने और देश की क्रेडिट रेटिंग सुधारने में भी मददगार साबित होता है।

भारतीय वीसी निवेशक अब जोखिम से बचने लगे: विनोद खोसला

- आप बड़े जोखिम नहीं लेंगे, तो बड़े नवाचार नहीं कर पाएंगे

नई दिल्ली ।

भारतीय-अमेरिकी उद्यमी और वेंचर कैपिटलिस्ट विनोद खोसला ने कहा कि देश में अधिकांश वेंचर कैपिटल (वीसी) निवेशक अब जोखिम से बचने वाले हो गए हैं। उनका कहना है कि कई निवेशक स्टार्टअप्स के बड़े और साहसिक नवाचार के बजाय छोटे-मध्यम राजस्व और शीघ्र नकदी प्रवाह पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। भारतीय वीसी हर बातचीत में पूछते हैं कि आपकी राजस्व योजना क्या है? आप दो-तीन साल में लाभ में कैसे होंगे? लेकिन अगर आप बड़े जोखिम नहीं लेंगे, तो बड़े नवाचार नहीं कर पाएंगे। खोसला ने आईआरआर (इंटरनल रेट आफ ` रिटर्न) की परंपरागत गणना पर भी चिंता जताई। उनका कहना है कि नए और अनदेखे बाजारों में निवेश करने के लिए आईआरआर की गणना गुमराह करने वाली हो सकती है। पिछले 200 निवेशों में मैंने कभी आईआरआर की गणना नहीं की। जोमैटो, फ्लिपकार्ट या ट्विटर के शुरुआती दौर में बड़े बाजार मौजूद नहीं थे। उन्होंने बताया, अगर वीसी सिर्फ आईआरआर पर ध्यान दें, तो यह गलत रास्ता है। खोसला के अनुसार, बड़े और साहसिक नवाचार के लिए जोखिम आवश्यक है। केवल सुरक्षित और तुरंत लाभ वाले विकल्प चुनने से

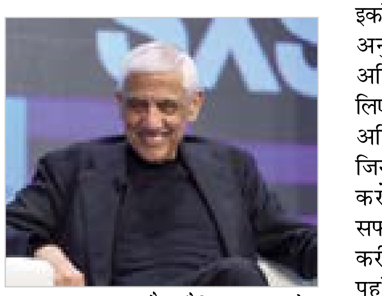

नए बाजार और वैश्विक स्तर के परिवर्तनकारी स्टार्टअप्स का उदय मुश्किल हो जाएगा।

इस साल लागू होंगे 5 बड़े एफटीए, निर्यात बढ़ाने 25,060 करोड़ का लक्ष्य- वाणिज्य मंत्री

- ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड से समझौते जल्द प्रभावी होंगे, निर्यात प्रोत्साहन मिशन के तहत 7 नई पहल

नई दिल्ली ।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत द्वारा अंतिम रूप दिए गए पांच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) इस वर्ष लागू हो जाएंगे। ब्रिटेन और ओमान के साथ हुए समझौते अप्रैल से प्रभावी हो सकते हैं, जबकि न्यूजीलैंड के साथ एफटीए सितंबर तक लागू होने की संभावना है। यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ समझौते को पिछले महीने अंतिम रूप दिया गया है और ईयू भी इसे शीघ्र लागू करने का इच्छुक है। इजरायल के साथ एफटीए वार्ता संदर्भ की शर्तें तय होने के बाद अगले सप्ताह नई दिल्ली में शुरू होगी।

वहीं खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के महासचिव की भारत यात्रा के दौरान एफटीए वार्ता की समयसीमा पर चर्चा की जाएगी। सरकार ने 25,060 करोड़ रुपये के निर्यात प्रोत्साहन मिशन (ईपीएम) के अंतर्गत सात अतिरिक्त उपायों की घोषणा की है। इनका उद्देश्य नए उत्पादों और सेवाओं को बढ़ावा देना, भारतीय कंपनियों को नए बाजारों तक पहुंचाना और निर्यात को अधिक समावेशी बनाना है। मंत्री ने कहा कि योजनाएं खासतौर पर एमएसएमई के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाने और उन्हें सस्ती दर पर वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने पर केंद्रित हैं। एमएसएमई को मान्यता प्राप्त संस्थाओं के माध्यम से एक्सपोर्ट फैक्टरिंग लेनदेन पर 2.5 प्रतिशत ब्याज छूट मिलेगी, जो सालाना 50 लाख रुपये तक सीमित होगी। ई-कॉमर्स निर्यातकों के लिए 50 लाख रुपये तक की डायरेक्ट क्रेडिट सुविधा 90 प्रतिशत गारंटी कवरेज के साथ उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त, नए और उच्च जोखिम वाले बाजारों में प्रवेश के लिए साझा-जोखिम और क्रेडिट उपकरणों की भी व्यवस्था की गई है, ताकि भारतीय निर्यातकों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता मजबूत हो सके।

एआई पर आईएमएफ की चेतावनी, 40 फीसदी नौकरियों पर खतरा!

मुंबई ।

दुनिया भर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। बड़ी कंपनियां लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए AI एआई को अपना रही हैं। इंटरनेशनल मानीटरी फंड (आईएमएफ) की स्टडी के अनुसार वैश्विक स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत एंट्री-लेवल नौकरियां एआई से प्रभावित हो सकती हैं, जबकि एडवांस्ड इकॉनमी में यह आंकड़ा 60 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। आईएमएफ ने इसे रोजगार बाजार में सुनामी जैसी स्थिति बताया। एआई केवल खतरा ही नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अवसर भी है। आईएमएफ के आकलन के अनुसार एआई से ग्लोबल ग्रोथ में लगभग 0.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी संभव है। इससे दुनिया की अर्थव्यवस्था कोविड-पूर्व स्तर से भी तेज गति पकड़ सकती है। एआई का सही इस्तेमाल भारत जैसे देशों के लिए बड़ा अवसर बन सकता है।

दिसंबर तिमाही में सुस्त रही अमेरिकी अर्थव्यवस्था

वाशिंगटन । अमेरिकी अर्थव्यवस्था की रफ्तार दिसंबर तिमाही में घटकर 1.4 फीसदी रह गई। यह सितंबर तिमाही की 4.4 फीसदी और उससे पहले की 3.8 फीसदीवृद्धि से काफी कम है। वाणिज्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी और उपभोक्ता खर्च में कमी जीडीपी की सुस्ती का मुख्य कारण रही। उपभोक्ता खर्च में केवल 2.2 फीसदी की वृद्धि हुई, जो पिछले तिमाही के 3.5 फीसदी के मुकाबले कम है। इसका असर आर्थिक गतिविधियों पर दिखा और साल 2025 की कुल वृद्धि दर 2.2 फीसदी रही। सालभर में केवल दो लाख से कम नए रोजगार बने, जो कोविड-19 महामारी के बाद का सबसे निचला स्तर है। इसके बावजूद बेरोजगारी दर केवल 4.3 फीसदी तक बढ़ी। अर्थशास्त्रियों के अनुसार ट्रंप प्रशासन की आव्रजन नीतियों ने श्रम शक्ति को सीमित किया, जिससे काम के लिए उपलब्ध लोग कम हो गए और भर्ती धीमी रही।

खुदरा निवेशकों ने बनाया बाजार को मजबूत, जनवरी में रिकॉर्ड खरीदारी

- अक्टूबर 2024 के बाद 15 माह के उच्च स्तर पर पहुंचा निवेश

नई दिल्ली । भारतीय शेयर बाजार में व्यक्तिगत खुदरा निवेशकों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी 2026 में खुदरा निवेशकों ने सेकंडरी मार्केट में 16,944 करोड़ रुपये की खरीदारी की, जो अक्टूबर 2024 के बाद 15 महीने में सबसे अधिक मासिक निवेश है। वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और विभिन्न देशों में तनाव के बावजूद इस खरीदारी ने भारतीय बाजार को उतार-चढ़ाव के बीच मजबूती का सहारा दिया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि मासिक आधार पर खुदरा निवेशकों की खरीदारी में उल्लेखनीय तेजी आई है। इस खरीदारी ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में सेकंडरी मार्केट से होने वाली निकासी को केवल 687 करोड़ रुपये तक घटाने में अहम भूमिका निभाई। इसका मतलब है कि बाजार में शुद्ध निवेश लगभग संतुलित बना हुआ है। यदि प्राइमरी मार्केट के आंकड़े भी शामिल करें, तो चालू वित्त वर्ष में खुदरा निवेशकों का शुद्ध निवेश 40,685 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इसमें आईपीओ में निवेशकों की बढ़ती भागीदारी का विशेष योगदान रहा। आंकड़े यह संकेत देते हैं कि सेकंडरी और प्राइमरी मार्केट दोनों में निवेशक इक्विटी बाजार के प्रति आकर्षित बने हुए हैं। हालांकि, कुल निवेश पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के 1.59 लाख करोड़ रुपये से कम रहा। यह दर्शाता है कि निवेशक अब अधिक सतर्क और सोच-समझकर निवेश कर रहे हैं। बाजार की अस्थिरताओं के बावजूद, वे केवल स्थिर और सुनिश्चित अवसरों में निवेश करने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

सेंसेक्स और निफ्टी ने उतार-चढ़ाव भरे सप्ताह के बाद मामूली बढ़त दर्ज की

सेंसेक्स और निफ्टी ने उतार-चढ़ाव भरे सप्ताह के बाद मामूली बढ़त दर्ज की

- ब्लू-चिप और बैंकिंग शेयरों में निवेशकों की चुनिंदा खरीदारी ने बाजार को समर्थन दिया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार ने 20 फरवरी को समाप्त हुए सप्ताह में मिश्रित रुझान दिखाया, लेकिन सप्ताह के अंत में सेंसेक्स और निफ्टी ने मामूली बढ़त के साथ बंद किया। सप्ताह के दौरान वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेत, मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने निवेशकों की सतर्कता बढ़ा दी। हालांकि, ब्लू-चिप और बैंकिंग शेयरों में निवेशकों की चुनिंदा खरीदारी ने बाजार को समर्थन दिया और हफ्ते के आखिरी दिन मामूली सुधार देखने को मिला। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को कमजोर रही। सेंसेक्स 82,276.95 अंक पर खुला और शुरुआती गिरावट के बाद 537.49 अंक की तेजी के साथ 83,164.25 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 25,372.70 से 25,660 तक बढ़ा। मंगलवार को भी शुरुआती कारोबार में गिरावट देखी गई, लेकिन इंफोसिस और आईटीसी जैसे प्रमुख शेयरों में खरीदारी ने सेंसेक्स को 173.81 अंक और निफ्टी को 42.65 अंक ऊपर लाकर बाजार को स्थिर किया। बुधवार को बाजार में मामूली बढ़त रही। सेंसेक्स 283.29 अंक बढ़कर 83,734.25 और निफ्टी 93.95 अंक की बढ़त के साथ 25,819.35 पर बंद हुआ। गुरुवार को स्थिति बदल गई। सेवा और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं में बिकवाली के दबाव ने सेंसेक्स को 1,236.11 अंक गिराकर 82,498.14 और निफ्टी को 365 अंक घटाकर 25,454.35 पर ला दिया, जो सप्ताह का सबसे नकारात्मक दिन था। शुक्रवार को बाजार ने शुरुआती नुकसान से उबरते हुए बैंकिंग और पूंजीगत वस्तुओं में खरीदारी से सुधार दिखाया। सेंसेक्स 316.57 अंक बढ़कर 82,814.71 और निफ्टी 116.90 अंक की बढ़त के साथ 25,571.25 पर बंद हुआ। सप्ताह के अंत में, सेंसेक्स ने लगभग 538 अंक और निफ्टी ने 199 अंक की मामूली बढ़त दर्ज की। इस सप्ताह की गतिविधियों ने यह स्पष्ट किया कि भारतीय निवेशक वैश्विक अनिश्चितताओं और तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भी सतर्क रहते हुए चुनिंदा खरीदारी कर बाजार को स्थिर बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं।

नवी मुंबई हवाईअड्डा ने शुरू की डिजियात्रा सेवा

- हवाई अड्डे पर यात्रियों का प्रवेश तेज और सुविधाजनक होगा

मुंबई । नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा) ने अपने वाणिज्यिक संचालन के दो महीने बाद डिजियात्रा सेवा शुरू की है। इस सेवा के तहत हवाई अड्डा देश के पांच अन्य हवाई अड्डों के साथ नागर विमानन मंत्रालय के राष्ट्रव्यापी डिजी यात्रा कार्यक्रम में डिजिटल रूप से शामिल हो गया है। डिजियात्रा सेवा का उद्घाटन ऑनलाइन किया गया। इस मौके पर तीन यात्रियों ने प्रतीकात्मक रूप से डिजियात्रा ई-गेट का उपयोग किया और बायोमेट्रिक प्रवेश बिंदुओं पर रिबन काटा। डिजियात्रा प्रणाली चेहरे की पहचान तकनीक का इस्तेमाल करती है, जिससे हवाई अड्डे पर यात्रियों का प्रवेश तेज और सुविधाजनक होता है। यह तकनीक प्रतीक्षा समय को कम करती है और यात्रियों के डेटा की गोपनीयता और सुरक्षा भी सुनिश्चित करती है। इस डिजिटल पहल से यात्रियों को हवाईअड्डा अनुभव में आसानी मिलती है, लंबी कतारों से बचा जा सकता है और बोर्डिंग प्रक्रिया में समय की बचत होती है। एनएमआईए ने इस कदम को आधुनिक और सुरक्षित हवाई अड्डा संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया है।

अमेरिका में टैरिफ उलटफेर को लेकर वैश्विक बाजार में बढ़ी अनिश्चितता

सोमवार को भारतीय शेयर बाजार और कंपनियों पर दिखेगा असर

मुंबई । अमेरिका में व्यापार नीति को लेकर बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। अमे रिका के सुप्रीम कोर्ट ने डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन द्वारा कुछ ट्रेडिंग पार्टनर्स पर लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ को रद्द कर दिया। फैसले के कुछ ही घंटों बाद ट्रंप ने सभी देशों पर 10 फीसदी का नया ग्लोबल टैरिफ लागू करने को मंजूरी दी। इससे वैश्विक व्यापार नीति में अनिश्चितता बढ़ गई है और निवेशकों की नजर अब अमेरिकी कदमों पर टिकी हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार यह फैसला उन भारतीय कंपनियों के लिए राहत लेकर आया है जिनका अमेरिका में बड़ा एक्सपोजर है। अनुमान है कि बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 500 अंकों से अधिक की तेजी के साथ खुल सकता है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज के अनुसार, पहले लागू 18 फीसदी पारस्परिक टैरिफ अब प्रभावी रूप से समाप्त हो गया है। भारत के करीब 55 फीसदी निर्यात पर अब केवल 10 फीसदी टैरिफ लागू रहेगा। हालांकि, स्टील, एल्युमिनियम, ऑटोमोबाइल और सेमीकंडक्टर पर सेक्टर-विशिष्ट टैरिफ जारी रहेंगे। वैश्विक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव से निवेशक सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख कर सकते हैं। इससे सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिल सकती है।

सोने के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में 4,880 डॉलर प्रति औंस का सपोर्ट और 5,100-5,120 डॉलर का रेजिस्टेंस बताया गया है। घरेलू बाजार में 1,49,800 रुपए प्रति 10 ग्राम सपोर्ट और 1,61,000 रुपए रेजिस्टेंस स्तर माना जा रहा है। इन स्तरों के पार जाने पर सोना अंतरराष्ट्रीय बाजार में 5,350 डॉलर और भारत में 1,75,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। चांदी के लिए घरेलू बाजार में 2,25,000 रुपए प्रति किलोग्राम सपोर्ट और 2,75,000-2,78,000 रुपए रेजिस्टेंस स्तर बताया गया है। मजबूत ब्रेकआउट की स्थिति में चांदी 3,50,000 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है। कुल मिलाकर टैरिफ को लेकर अमेरिका में हुए इस बड़े फैसले ने वैश्विक बाजारों में नई अनिश्चितता पैदा कर दी है। अब निवेशकों की नजर सोमवार को बाजार की शुरुआत और कमोडिटी कीमतों की चाल पर रहेगी।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप का रेसिप्रोकल टैरिफ रद्द किया, भारत को राहत

- फिर भी 8 अरब डॉलर निर्यात पर है पेंच

नई दिल्ली । अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगाए गए 'रेसिप्रोकल टैरिफ' को रद्द कर दिया है। यह फैसला भारतीय निर्यातकों के लिए राहत की खबर है, हालांकि सभी समस्याएं खत्म नहीं हुई हैं। भारत से अमेरिका जाने वाले अधिकांश सामानों पर लगे 18 फीसदी टैक्स अब समाप्त हो जाएंगे। अब यह वापस पुराने स्तर, लगभग 3 फीसदी, पर आ जाएगा। इससे भारतीय निर्यातकों को अमेरिका के बाजार में अपने उत्पादों की कीमत प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद मिलेगी। हालांकि, अमेरिका के 'नेशनल सिक्योरिटी' कानून के तहत स्टील, एल्युमीनियम और ऑटोमोबाइल जैसे सामानों पर टैरिफ अब भी जारी रहेंगे। इसका मतलब है कि भारत से होने वाले लगभग 8 अरब डॉलर (करीब 67,000 करोड़ रुपये) के कुछ प्रमुख निर्यात पर टैक्स अभी भी लगेगा। ट्रम्प ने 20 जनवरी, 2025 को राष्ट्रपति पद संभालने के बाद ग्लोबल ट्रेड में दबाव बनाने के लिए टैरिफ का इस्तेमाल किया। उनका तर्क था कि कई देशों में अमेरिकी सामान पर उच्च टैरिफ था, जबकि वहां के उत्पाद अमेरिका में सस्ते या बिना टैरिफ बिकते थे। 3 फरवरी, 2026 को ट्रंप ने भारत पर टैरिफ घटाकर 18 फीसदी करने का ऐलान किया था। साथ ही रूस से तेल पर 25 फीसदी अतिरिक्त पेनाल्टी टैरिफ भी हटा दिया गया।

केंद्र सरकार लाएगी नए आयकर नियम, क्रेडिट कार्ड खर्च पर पड़ेगा असर

- नये नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू होने की संभावना

नई दिल्ली । केंद्र सरकार 1 अप्रैल 2026 से लागू होने वाले नए इनकम टैक्स नियम तैयार कर रही है। ये नियम 1962 के पुराने कानून की जगह लेंगे और डिजिटल ट्रांजैक्शन में पारदर्शिता बढ़ाने के साथ टैक्स चोरी पर कड़ी नजर रखेंगे। यदि कोई व्यक्ति सालाना 10 लाख रुपए या उससे अधिक का क्रेडिट कार्ड या डिजिटल भुगतान करता है, तो बैंक इसकी जानकारी सीधे आयकर विभाग को देंगे। 1 लाख रुपए या उससे अधिक का नकद भुगतान भी निगरानी में रहेगा। अब क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट का उपयोग एड्रेस प्रूफ के रूप में किया जा सकेगा। इसके अलावा, भविष्य में टैक्स भुगतान सीधे क्रेडिट कार्ड से किया जा सकेगा, हालांकि बैंक प्रोसेसिंग शुल्क लागू होंगे। कंपनी कार्ड से व्यक्तिगत खर्च पर टैक्स लगेगा, जबकि व्यवसायिक खर्च जैसे मीटिंग और ट्रिप पर टैक्स मुक्त रहेगा, बशर्ते कंपनी का पूरा रिकॉर्ड हो। क्रेडिट कार्ड के लिए अब पेन कार्ड अनिवार्य होगा। बिना पेन के आवेदन स्वीकार नहीं होंगे, जिससे बड़े ट्रांजैक्शन को टैक्स प्रोफाइल से जोड़ना आसान होगा। नए नियम टैक्स व्यवस्था में पारदर्शिता लाने और डिजिटल खर्च को सही तरीके से रिपोर्ट करने में मदद करेंगे।

भारत का भाग्य,भविष्य और भय के बीच खड़ा कृत्रिम बुद्धिमत्ता युग

विनोद कुमार सिंह

एआई इम्पैक्ट 2026 इस द्वंद्व का प्रतीक था-एक ओर भारत का स्वर्णिम स्वप्न है,तो दूसरी ओर भारत का भय।मोदी मिशन और वैष्णव विजन भारत को एआई महाशक्ति बनाने का संकल्प लेते हैं।जो विदेशी निवेश,तकनीकी साझेदारी और रोजगार की अनंत संभावनाएँ भारत के लिए ऐतिहासिक अवसर प्रस्तुत करेंगी

नई दिल्ली के भारत मंडपम में 16 से 20 फरवरी 2026 तक आयोजित एआई इम्पैक्ट सम्मेलन भारत के आधुनिक इतिहास में एक निर्णायक क्षण के रूप में दर्ज किया जाएगा।यह केवल एक अन्तराष्ट्रीय तकनीकी सम्मेलन नहीं था,बल्कि एक सभ्यतागत घोषणा थी - कि भारत अब अपनी नियति कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति से गढ़ना चाहता है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में यह आयोजन भारत की उस महत्त्वाकांक्षा का प्रतीक बना, जिसमें तकनीक विकास का साधन नहीं,बल्कि राष्ट्र-निर्माण का दर्शन बन रही है।प्रधानमंत्री मोदी ने उद्घाटन भाषण में जिस आत्म विश्वास से कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता भारत का भाग्य और भविष्य है,वह कथन किसी राजनीतिक भाषण से अधिक एक रणनीतिक उद्घोष था।यह उस भारत की आवाज थी,जो औपनिवेशिक युग में औद्योगिक क्रांति से वंचित रहा, जिसने सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति में सेवा क्षेत्र तक स्वयं को सीमित रखा,और अब तीसरी बड़ी तकनीकी क्रांति–कृत्रिम बुद्धिमत्ता - में नेतृत्व की आकांक्षा रखता है।

मोदी सरकार के लिए एआई केवल तकनीकी उपकरण नहीं,बल्कि विकसित भारत 2047 के स्वप्न का मुख्य इंजन है।जिस प्रकार बीसवीं सदी में रेल,बिजली और सड़क राष्ट्र-निर्माण की आधारशिला बने, उसी प्रकार इक्कीसवीं सदी में डेटा, एल्गोरिद्म और सुपरकंप्यूटिंग को राष्ट्रीय बुनियादी ढाँचे के रूप में देखा जा रहा है।प्रधानमंत्री ने एआई को ड्डडिजिटल स्वराजड्ड का मार्ग बताया - एक ऐसा स्वराज जिसमें भारत तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि निमार्ता और नियंता होगा।

अश्विनी वैष्णव का दृष्टिकोण इस स्वप्न को संस्थागत ढाँचा देने का प्रयास है।उन्होंने एआई को राष्ट्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर की संज्ञा देते हुए कहा कि भारत को अपने स्वयं के फाउंडेशन मॉडल,राष्ट्रीय डेटा ग्रिड और सुपरकंप्यूटिंग क्षमता विकसित करनी होगी।उनका मानना था कि एआई भारत के लिए वही भूमिका निभाएगा, जो बीसवीं सदी में रेलवे और बिजली ने निभाई–देश को जोड़ने और गति देने की भूमिका।

एआई इम्पैक्ट सम्मेलन में कई रणनीतिक घोषणाएँ की गईं, जो भारत के तकनीकी भविष्य की दिशा निर्धारित करती हैं।सरकार ने राष्ट्रीय एआई कंप्यूट ग्रिड, स्वदेशी भाषा मॉडल,सरकारी सेवाओं में एआई के व्यापक उपयोग,स्वास्थ्य और शिक्षा में डिजिटल प्लेटफॉर्म, स्मार्ट शहरों और रक्षा प्रणालियों में एआई आधारित समाधान विकसित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। भारत को एआई अनुसंधान, स्टार्टअप और उद्योग का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए नीति,वित्त और अवसंरचना के समन्वित प्रयासों की घोषणा की गई।इस सम्मेलन की एक प्रमुख उपलब्धि विदेशी निवेश को आकर्षित करने की दिशा में थी। वैश्विक टेक कंपनियों, निवेश फंडों और बहुराष्ट्रीय निगमों ने भारत के एआई पारिस्थितिकी तंत्र में निवेश की रुचि दिखाई।डेटा सेंटर,क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, सेमीकंडक्टर, चिप डिजाइन और

एआई स्टार्टअप में अरबों डॉलर के निवेश प्रस्तावों की चर्चा हुई।भारत को एआई निर्माण और अनुसंधान का वैश्विक हब बनाने के लिए कई अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों की घोषणा की गई। यह संकेत है कि वैश्विक पूंजी भारत को अगली तकनीकी क्रांति का महत्वपूर्ण केंद्र मान रही है।

विदेशी निवेश के साथ रोजगार की संभावनाएँ भी इस सम्मेलन का केंद्रीय विषय रहीं।सरकार और उद्योग जगत का दावा है कि एआई भारत में लाखों नई नौकरियाँ पैदा करेगा - डेटा वैज्ञानिक, एआई इंजीनियर, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, चिप डिजाइनर, डिजिटल सेवा प्रदाता और तकनीकी प्रशिक्षक जैसे क्षेत्रों में। साथ ही, एआई आधारित स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और प्रशासनिक सेवाओं में नए प्रकार के रोजगार उत्पन्न होंगे। यह आशा व्यक्त की गई कि भारत की विशाल युवा जनसंख्या को एआई युग के लिए कौशल प्रदान कर वैश्विक कार्यबल का नेतृत्व करने के लिए तैयार किया जाएगा।

परंतु इतिहास हमें सिखाता है कि हर तकनीकी क्रांति अवसरों के साथ विस्थापन भी लाती है। औद्योगिक क्रांति ने पारंपरिक कारीगरों को विस्थापित किया, सूचना क्रांति ने डिजिटल डिवाइड को जन्म दिया, और एआई क्रांति मानव श्रम के अस्तित्व पर प्रश्न खड़ा कर रही है।मशीनें न केवल शारीरिक श्रम, बल्कि बौद्धिक श्रम भी करने लगी हैं।पत्रकारिता, बैंकिंग, कानून,शिक्षा,चिकित्सा और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में एआई का प्रवेश तेजी से हो रहा है।आम आदमी के मन में यह भय स्वाभाविक है कि कहीं यह तकनीक उसकी आजीविका न छीन ले।सरकार कौशल विकास और पुनः प्रशिक्षण की बात करती है, परंतु भारत जैसे विशाल और विविध समाज में यह कार्य कितना प्रभावी होगा, यह एक खुला प्रश्न है। ग्रामीण,असंगठित और कम शिक्षित श्रमिक वर्ग के लिए एआई युग में समायोजन आसान नहीं होगा।यदि एआई नीति सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा सुधार और रोजगार पुनर्गठन के साथ नहीं जुड़ी,तो यह तकनीकी प्रगति सामाजिक असंतोष का कारण बन सकती है।

एक अन्य गहरा प्रश्न मानव निर्णयों पर मशीन के प्रभाव का है। यदि शासन,न्याय और सुरक्षा में एआई का उपयोग बढ़ता है,तो मानवीय विवेक,नैतिकता और संवेदना का स्थान एल्गोरिद्म ले सकता है। एल्गोरिद्म निष्पक्ष होने का दावा करता है, परंतु वह भी मानव निर्मित होता है और उसमें मानव पूर्वाग्रह समाहित हो सकते हैं। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय मानव प्रतिनिधियों और संस्थाओं के हाथ में होना चाहिए,परंतु एआई की बढ़ती भूमिका लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व को जटिल बना सकती है।डेटा और गोपनीयता का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है।एआई डेटा पर आधारित है,डेटा आधुनिक युग का नया तेल बन चुका है।नागरिकों की निजी जानकारी,व्यवहार, स्वास्थ्य,शिक्षा और वित्तीय विवरण एआई प्रणालियों में प्रवाहित होंगे। यह प्रश्न उठता है कि इस डेटा का स्वामी कौन होगा - नागरिक,सरकार या कॉर्पोरेट? भारत में डेटा संरक्षण कानून विकसित हो रहे हैं, परंतु आम नागरिक के मन में यह आशंका है कि कहीं उसकी निजता तकनीकी प्रगति की बलि न चढ़ जाए।डिजिटल असमानता का प्रश्न भारत के लिए विशेष रूप से गंभीर है। भारत एक असमान समाज है–शहरी और ग्रामीण, अमीर और गरीब, शिक्षित और अशिक्षित के बीच गहरी खाई है।यदि एआई केवल शहरी,अंग्रेजी-भाषी और तकनीकी रूप से सक्षम वर्ग तक सीमित रहा,तो यह खाई और गहरी हो सकती है। मोदी सरकार भारतीय भाषाओं में एआई मॉडल विकसित करने की बात करती है, ताकि ग्रामीण और क्षेत्रीय भाषाओं के नागरिक भी लाभान्वित हों।यह एक सकारात्मक संकेत है,परंतु इसे नीति और संसाधनों के स्तर पर वास्तविक रूप देना चुनौतीपूर्ण होगा।एआई इम्पैक्ट सम्मेलन 26 में भारत बनाम अमेरिका और चीन की तकनीकी प्रतिस्पर्धा का संदर्भ भी स्पष्ट था। अमेरिका एआई अनुसंधान और नवाचार में अग्रणी है, चीन एआई को राज्य-नियंत्रित रणनीतिक हथियार के रूप में विकसित कर रहा है, और भारत तीसरा रास्ता खोज रहा है–लोकतांत्रिक, समावेशी और मानव-केंद्रित एआई विकास का मॉडल। यह एक कठिन लेकिन नैतिक रूप से आवश्यक मार्ग है। यदि भारत इस मार्ग पर सफल होता है, तो वह केवल तकनीकी शक्ति नहीं, बल्कि नैतिक वैश्विक नेतृत्व भी स्थापित कर सकता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीक नहीं, बल्कि मानव चेतना, समाज और सभ्यता को पुनर्परिभाषित करने वाली शक्ति है। भारतीय दर्शन में बुद्धि को विवेक, धर्म और करुणा से जोड़ा गया है। मशीन बुद्धि में यह विवेक और करुणा कहाँ से आएगी? यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और आध्यात्मिक भी है। भारत, जो योग, दर्शन और मानव चेतना के अध्ययन की प्राचीन परंपरा रखता है, एआई युग में मानव और मशीन के संबंध पर वैश्विक विमर्श का नेतृत्व कर सकता है।

एआई इम्पैक्ट 2026 इस द्वंद्व का प्रतीक था - एक ओर भारत का स्वप्न, दूसरी ओर भारत का भय। मोदी मिशन और वैष्णव विजन भारत को एआई महाशक्ति बनाने का संकल्प लेते हैं। विदेशी निवेश, तकनीकी साझेदारी और रोजगार की संभावनाएँ भारत के लिए ऐतिहासिक अवसर प्रस्तुत करती हैं। यदि भारत एआई उत्पादन, चिप निर्माण,डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर और अनुसंधान में आत्मनिर्भर बनता है, तो वह 21वीं सदी की वैश्विक अर्थव्यवस्था का प्रमुख स्तंभ बन सकता है।

परंतु यह यात्रा तभी सफल होगी, जब एआई को लोकतांत्रिक, समावेशी और मानव-केंद्रित बनाया जाएगा। तकनीक को पूंजी और सत्ता के केंद्रीकरण का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और मानव कल्याण का माध्यम बनाना होगा। रोजगार पुनर्गठन, शिक्षा सुधार, डिजिटल समावेशन और डेटा संरक्षण को एआई नीति के साथ एकीकृत करना होगा।एआई भारत का भाग्य और भविष्य बन सकता है, परंतु केवल तब,जब यह मानवता का विस्तार बने, उसका विकल्प नहीं। भारत के सामने अवसर भी है और चुनौती भी।

एआई इम्पैक्ट 2026 ने भविष्य का द्वार खोल दिया है–अब यह भारत पर निर्भर है कि वह इस द्वार से होकर एक न्यायपूर्ण, समावेशी और विवेकपूर्ण तकनीकी सभ्यता की ओर बढ़ता है, या फिर एक ऐसी मशीन-प्रधान दुनिया की ओर, जहाँ मानव केवल उपभोक्ता बनकर रह जाए।भारत का भाग्य और भविष्य अब एल्गोरिद्म,डेटा और मशीनों की प्रयोगशालाओं में लिखा जा रहा है, परंतु उसकी आत्मा अभी भी मानव विवेक,करुणा और लोकतंत्र में बसती है। यही द्वंद्व एआई युग के भारत की सबसे बड़ी कहानी भी है जिम्मेदारी भी होगी जो अभी अतीत के गर्भ में छुपी है।

संपादकीय

प्रपंच से फजीहत

दिल्ली में आयोजित, भारत की महत्वाकांक्षी वैश्विक एआई समिट की शुरूआत में एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी द्वारा विदेशी रोबोट को अपनी खोज बताकर किए दावे ने देश को असहज किया। ग्लोबल साउथ के देशों का नेतृत्व कर रहे भारत की तरक्की को लेकर अकसर मीन-मेख निकालने वाले पश्चिमी मीडिया को ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी के कृत्य ने नुक्ताचीनी का एक और मौका जरूर दे दिया। जिसको लेकर पश्चिमी मीडिया में खासी चर्चा हुई। यहां एक निष्कर्ष यह भी निकला कि तकनीकी शिक्षा में निजी क्षेत्रों को मौका मिलने का किस हद तक दुरुपयोग भी किया जा सकता है। यह भी कि मौलिक गुणवत्ता से समझौता करके हम देश का कैसा भविष्य तैयार कर रहे हैं। यह घटनाक्रम देश में तेजी से बढ़ती उस नकारात्मक प्रवृत्ति का हश्र भी बताता है, जिसमें आनन-फानन में शॉर्टकट से सफलता की तलाश रहती है। विडंबना यह है कि इस घटना ने वैश्विक एआई सम्मेलन के परिप्रेक्ष्य में कई सवाल पैदा किये। सवाल उठाया कि भारत आज व्यवहार में एआई व रोबोटिक्स के अनुसंधान में कहां खड़ा है? आखिर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के नीति-नियंताओं ने यह क्यों नहीं सोचा कि चीन निर्मित एक रोबोट को अपनी उपलब्धि बताने से देश की प्रतिष्ठा को आंच आएगी? अब यूनिवर्सिटी की तरफ से सफाई दी जा रही है कि उसने रोबोट के निर्माण का दावा नहीं किया। वहीं दूसरी ओर उन सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए, जिन्होंने बिना जांच-पड़ताल के विश्वविद्यालय को एआई समिट में स्टॉल लगाने की अनुमति दी। निश्चित रूप से भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक व रोबोटिक उत्पादन के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई है। युवा शक्ति के देश भारत ने एआई के क्षेत्र में अमेरिका व चीन के बाद अपना तीसरा स्थान बनाया

चिंतन-मनन

सोच समझकर हो प्रशंसा

अक्सर जब तुम प्रशंसा करते हो तो किसी और की तुलना में करते हो। किसी एक की प्रशंसा करने में हम किसी दूसरे को नीचा दिखाते हैं और किसी की गलती को दर्शाने के लिए हम दूसरे की प्रशंसा करते हैं। कुछ लोग प्रशंसा करने में कंजूस होते हैं और कुछ शमीर्ले। कुछ लोगों को प्रशंसा करनी नहीं आती और प्रशंसा करना भूल जाते हैं। कुछ व्यक्ति मतलब के लिए प्रशंसा करते हैं और कुछ तुम्हें उठाने के लिए। कुछ और लोग अपने आत्मविश्वास की कमी को छुपाने के लिए स्वयं की प्रशंसा करते हैं। किन्तु वास्तविक प्रशंसा उन्नत चेतना की अवस्था से निकलती है। जो प्रशंसा उन्नत चेतना की अवस्था से आती है, वह स्वरूप से आती है और बिल्कुल भिन्न होती है। साधारणतः प्रशंसा लालसा और दम्भ से आती है। उन्नत चेतना की अवस्था से आई प्रशंसा पूर्णता से उभरती है। निःसंदेह प्रशंसा चेतना को उभारती है और उत्साह व ऊर्जा लाती है। परंतु साथ ही यह घमंड भी ला सकती है।

प्रशंसा करना भी एक कौशल है। जब कोई तुम्हारी प्रशंसा करता है, तो क्या तुम बिना शर्माए उसे स्वीकार करते हो? बिना शर्माए प्रशंसा को स्वीकार करना भी एक कुशलता है। तुम किसी की प्रशंसा कब करते हो? जब वे कुछ अनोखा करते हैं, असाधारण, जो उनके स्वभाव के अनुसार नहीं है। जब एक दुष्ट व्यक्ति कोई समस्या पैदा नहीं करता, तब तुम उसकी तारीफ करते हो। या कोई व्यक्ति जिसे भला नहीं समझते, जब कुछ नेक काम करता है, तब तुम उसकी प्रशंसा करते हो। जब कोई भला आदमी अत्यन्त असाधारण काम करता है, तब तुम उसकी प्रशंसा करते हो।

यदि कोई बच्चा एक प्याली चाय बनाता है तो तुम प्रशंसा करते हो, परंतु वही एक प्याली चाय यदि मां बनाए तो तुम शायद तारीफ न करो, क्योंकि उसके लिए यह नियमित कार्य है। इन सभी स्थितियों में जिन कार्य की तुम प्रशंसा करते हो, वे अल्पकालिक हैं, उनके आचरण से अलग या उनके स्वभाव के विपरीत। तो जब तुम किसी चीज के लिए किसी की प्रशंसा करते हो, तुम संकेत करते हो कि वे लोग साधारणतः ऐसे नहीं हैं। इसका मतलब है कि वह कार्य उनके स्वभाव में नहीं और इसीलिए वे अपनी प्रशंसा चाहते हैं- यह एक विरला गुण या कृत्य है। प्रशंसा एक अलगाव के भाव, एक दूरी को इंगित करती है, इसीलिए प्रशंसा करते समय सावधान रहो।

अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने बताए ट्रंप के अधिकार,टैरिफ रद्द

सनत जैन

अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका दिया है। अमेरिका की सर्वोच्च अदालत की 9 जजों की खंडपीठ ने 6 जजों के बहुमत से राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा पिछले 1 साल मैं जिन देशों के ऊपर टैरिफ लगाया गया था, उसको अवैध करार दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अधिकांश देशों पर टैरिफ लगाकर समझौते के लिए जो दबाव बनाया जा रहा था। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार राष्ट्रपति को इस तरह से टेरिफ लगाने का कोई अधिकार ही नहीं था। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप ने आपातकालीन अधिकारों का प्रयोग करके, सारी दुनिया के देशों को डरा-धमकाकर मनमाफिक तरीके से समझौते करना चाहते थे। इसमें कुछ हद तक डोनाल्ड ट्रंप सफल भी हो गए हैं। भारत जैसे बड़े राष्ट्र को उन्होंने अपने शिकंजे में कस लिया है। भारत के साथ उन्होंने द्विपक्षी व्यापार मे टैरिफ को लेकर समझौता करने में सफल रहे हैं। इसी तरह का समझौता उन्होंने कई अन्य देशों के साथ भी पिछले कुछ महीनो में किए हैं। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ का भय दिखाकर जो समझौते किए हैं। उस समझौते में कहीं ना कहीं ट्रंप का परिवार का फायदा शामिल है। जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के मित्र देशों और दुनिया के अन्य देशों में टैरिफ का भय दिखाकर अमेरिका के राष्ट्रीय हितों और अमेरिका की साख को एक बड़ा नुकसान पहुंचाने का काम किया है। इसके साथ ही टेरिफ के कारण अमेरिका की महंगाई बढी है, अमेरिका के व्यापारियों को बड़ा नुकसान हुआ है। टैरिफ के कारण सबसे ज्यादा नुकसान अमेरिका को भोगना पड़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने। इसके बाद अमेरिकी कानून के अनुसार वह तीसरी बार राष्ट्रपति नहीं बन सकते हैं। एक तरह से उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल का फायदा अपने परिवार को पहुंचाने के लिए, जो रणनीति अपनाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति के निर्णय की समीक्षा कर उसे पूरी तरह से अवैध करार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है इस तरह के अधिकार केवल संसद को प्राप्त हैं। राष्ट्रपति को कुछ अधिकार आपातकालीन स्थितियों के लिए दिए गए थे। टेरिफ का निर्णय विषम परिस्थिति मे किसी एक या दो राष्ट्रों के साथ हो सकती थी। जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप ने इस कानून के तहत आपातकालीन अधिकार का इस्तेमाल करके मनमाने तरीके से टेरिफ लगाए गए हैं। वह अधिकारों का दुरुपयोग है। अमेरिका के व्यापारी यह मुकदमा विभिन्न अदालतों में लड़ते हुए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। सभी अदालत से ट्रंप को मुंह की खानी पड़ी थी। टैरिफ लगाए जाने के बाद अमेरिका में महंगाई बढ़ रही थी। अमेरिका के व्यापारियों के व्यापारिक हित प्रभावित हो रहे थे। ट्रंप का दावा था, टैरिफ लगाने से लगभग 600 अरब डॉलर का फायदा अमेरिका को हुआ है। इसका भार अमेरिका के नागरिकों और अमेरिका के व्यापारियों पर पड़ा है। टेरिफ को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़कर दिखाना पूरी तरह गलत था। अब यह बात सामने आ गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने अधिकारों का दुरुपयोग करते हुए अपने परिवार के कारोबार को बढ़ाने के लिए अधिकारों का दुरुपयोग किया है। असल में अमेरिका मे इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनामिक पावर्स एक्ट लागू है । इसके तहत राष्ट्रपति को गंभीर खतरा और असाधारण अंतरराष्ट्रीय संकट की स्थिति में कुछ विशेष शक्तियां दी गई थी। इन शक्तियों के माध्यम से राष्ट्रपति तात्कालिक रूप से विदेशी लेनदेन पर रोक या प्रतिबंध लगा सकते थे। इस अधिकार का दुरूपयोग करते हुए ट्रम्प ने टैरिफ के माध्यम से दुनिया के सभी देशों को डरा धमकाकर मनमाने तरीके से समझौता करने का जो दवाब बनाया था। वह अमेरिकी हितों के लिए नहीं, वरन ट्रंप परिवार के लिए उपयोगी था। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें बढ़ना तय हैं। पिछले 1 वर्ष में इस तरह के आरोप ट्रम्प पर लग रहे हैं। वह अपने पारिवारिक और व्यापारिक हितों के लिए पद का दुरुपयोग कर रहे हैं। इस फैसले के बाद निश्चित रूप से डोनाल्ड ट्रंप की मुसीबतें बढ़ने वाली हैं। भारत-पाकिस्तान बांग्लादेश एवं कुछ अन्य देशों के साथ जो समझौतेअमेरिका द्वारा किए गए हैं। वह भविष्य में भी मान्य रहेंगे। समझौता दोनों पक्षों की सहमति के रूप में देखा जा रहा है। जिन देशों ने अमेरिका के साथ समझौते नहीं किए हैं। उनके टैरिफ अपने आप रद्द हो जाएंगे। अमेरिका की सरकार को कंपनियों और व्यापारियों को टेरिफ के कारण जो राजस्व अमेरिकी सरकार द्वारा वसूला गया था। उसे वापस भी करना पड़ सकता है। एक तरह से डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में दादागिरी करते हुए अपने निजी एवं पारिवारिक हितों को ध्यान में रखते हुए जो निर्णय ले रहे थे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से अब उसे पर रोक लग गई है। इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया अमेरिका सहित सारे विश्व के देशों में होना तय है। अब देखते हैं, सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय के बाद अमेरिका में इस मामले का पटाक्षेप किस रूप में दुनिया को देखने को मिलता है। भारत ने अमेरिका के साथ टैरिफ को लेकर जो समझौता किया है। वह भारत के लिए एक फंदा बन गया है। भारत इससे कैसे बाहर निकलेगा,इसका रास्ता भारत को ही निकलना होगा। भारत सरकार ट्रंप के सामने इतनी बेवस क्यों हैं? इसको लेकर भारत की राजनीति में भी इसका असर देखने को मिलने लगा है।

मोदी लूला की दोस्ती ने किया कमाल, क्रिटिकल मिनरल्स पर समझौते ने दुनिया में मचाया धमाल

नीरज कुमार दुबे

नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में आज वह तस्वीर दिखी जिसने वैश्विक शक्ति संतुलन की दिशा में नया संकेत दे दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की मौजूदगी में भारत और ब्राजील ने क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। साथ ही इस्पात आपूर्ति शृंखला को मजबूत करने के लिए भी महत्वपूर्ण समझौता हुआ। यह आपूर्ति शृंखला की मजबूती, सामरिक स्वावलंबन और आर्थिक शक्ति के नए युग की घोषणा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने साफ शब्दों में कहा कि क्रिटिकल मिनरल्स पर हुआ समझौता मजबूत और लचीली आपूर्ति शृंखला बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। रक्षा क्षेत्र में बढ़ता सहयोग दोनों देशों के बीच भरोसे और रणनीतिक तालमेल का प्रमाण है। उन्होंने अगले दस वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को बीस अरब डॉलर से आगे ले जाने का लक्ष्य दोहराया। ब्राजील पहले ही लैटिन अमेरिका में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, अब यह संबंध नई ऊंचाई छूने को तैयार है।

राष्ट्रपति लूला ने भी भारत की प्रौद्योगिकी क्षमता की खुलकर सराहना की। सूचना प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भारत की प्रगति को उन्होंने भविष्य की साझेदारी का आधार बताया। उनके साथ आए मंत्रियों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों का बड़ा दल यह संकेत देता है कि यह मित्रता केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक और औद्योगिक धरातल पर भी मजबूत हो रही है।

हम आपको बता दें कि ब्राजील लौह अयस्क, मैंगनीज, निकल और नियोबियम जैसे खनिजों का विश्व के प्रमुख उत्पादकों में है। भारत की इस्पात उत्पादन क्षमता 218 मिलियन टन तक पहुंच चुकी है और आधारभूत ढांचे के विस्तार के साथ इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे समय में ब्राजील के साथ खनन, प्रसंस्करण, पुनर्चक्रण और उन्नत तकनीक पर सहयोग भारत को कच्चे माल की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करेगा।

वहीं, क्रिटिकल मिनरल्स समझौता केवल उद्योग की जरूरत नहीं, बल्कि सामरिक आवश्यकता है। विश्व में रेयर अर्थ उत्पादन पर चीन का लगभग एकाधिकार रहा है। भारत लंबे समय से निर्भरता कम करने की रणनीति पर काम कर रहा है। ब्राजील के साथ यह साझेदारी उस रणनीति को ठोस आधार देती है। इससे भारत की रक्षा, ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों, अंतरिक्ष और उच्च तकनीक उद्योगों को स्थायी आपूर्ति मिलेगी।

देखा जाये तो भारत और ब्राजील की यह साझेदारी केवल द्विपक्षीय नहीं है। यह ग्लोबल साउथ की सामूहिक आवाज को मजबूती देती है। जब दो बड़े लोकतंत्र खनिज, ऊर्जा, कृषि, स्वास्थ्य और तकनीक में हाथ मिलाते हैं तो वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं का समीकरण बदलता है। पश्चिमी शक्तियों और चीन के बीच चल रही प्रतिस्पर्धा के दौर में यह समझौता तीसरे ध्रुव की संभावना को मजबूत करता है।

ऊर्जा क्षेत्र में जैव ईंधन, नवीकरणीय ऊर्जा और सतत उड्डयन ईंधन पर सहयोग हरित भविष्य की दिशा में कदम है। आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना और जलवायु अनुकूल कृषि में साझा पहल विकासशील देशों के लिए उदाहरण बन सकती है। स्वास्थ्य और औषधि क्षेत्र में सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाओं की आपूर्ति ब्राजील के लिए लाभकारी होगी, वहीं भारतीय औषधि उद्योग को विशाल बाजार मिलेगा।

वहीं रक्षा क्षेत्र में बढ़ता तालमेल हिंद महासागर और दक्षिण अटलांटिक क्षेत्र में सामरिक संतुलन को प्रभावित करेगा। समुद्री सुरक्षा, संसाधन संरक्षण और तकनीकी साझेदारी से दोनों देश अपने प्रभाव क्षेत्र का विस्तार कर सकते हैं।

देखा जाये तो भारत की विदेश नीति पिछले कुछ वर्षों में आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ आगे बढ़ी है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह सिद्ध किया है कि मित्रता केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीतिक निवेश होती है। ब्राजील के साथ बढ़ती निकटता इसी सोच का परिणाम है। मोदी की नीति बहु ध्रुवीय विश्व व्यवस्था में संतुलित और स्वायत्त भूमिका की है। एक ओर पश्चिमी देशों से गहरे संबंध, दूसरी ओर रूस से सामरिक तालमेल और साथ ही वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ सघन सहयोग। ब्राजील के साथ क्रिटिकल मिनरल्स और इस्पात समझौता इसी व्यापक दृष्टि का हिस्सा है। यह संदेश स्पष्ट है कि भारत अपने औद्योगिक और सामरिक भविष्य को किसी एक स्रोत पर निर्भर नहीं छोड़ेगा। इस साझेदारी से भारत को कच्चे माल की सुरक्षा, नई तकनीक, निवेश और बाजार मिलेगा। ब्राजील को भारत की तकनीकी दक्षता, औषधि आपूर्ति, डिजिटल ढांचा और विशाल उपभोक्ता बाजार का लाभ मिलेगा। दोनों देश मिलकर वैश्विक मंचों पर संस्थागत सुधार, आतंकवाद के विरोध और विकासशील देशों की आवाज को मजबूती देंगे।

यह समझौता एक रणनीतिक घोषणा है कि भारत अपने पक्के दोस्तों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। आने वाले वर्षों में यदि यह सहयोग योजनाओं से निकलकर जमीन पर उतरता है तो यह एशिया और लैटिन अमेरिका के बीच नए शक्ति सेतु का निर्माण करेगा। यही वह दिशा है जिसमें भारत आत्मनिर्भर, प्रभावशाली और निर्णायक वैश्विक शक्ति के रूप में उभर सकता है।

असली आज़ादी

रविवार 22, फरवरी 2026, दमण।

संक्षिप्त समाचार

भारत पर भारी टैरिफ के बहाने खोज रहे ट्रंप, अमेरिकी सांसद का दावा, बोले-हो रहा दोहरा बर्ताव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक वरिष्ठ सांसद ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर बेतहाशा टैरिफ लगाने के बहाने खोज रहे हैं, जबकि उन्हें तुरंत तेल खरीद से जुड़ी नीति बदलनी चाहिए। सांसद ब्रैड शेरमैन ने बुधवार को सोशल मीडिया पर लिखा, ट्रंप का दावा है कि भारत पर रूसी तेल के आयात के लिए शुल्क लगाया गया था। हंगरी रूस से अपने कच्चे तेल का 90 फीसदी आयात करता है लेकिन उस पर कोई शुल्क नहीं है। उन्होंने कहा कि चीन रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार है, उस पर रूसी तेल खरीद से जुड़े प्रतिबंध नहीं लगाए गए। हालांकि, उस पर अन्य कारणों से कार्रवाई की गई है। प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति और वित्तीय सेवा समिति के वरिष्ठ सदस्य शेरमैन ने कहा कि भारत, रूस से अपने कच्चे तेल का सिर्फ 21 फीसदी आयात करता है, लेकिन हमारे सहयोगी को निशाना बनाया गया। ट्रंप भारत पर बेतहाशा शुल्क लगाने के बहाने ढूंढ रहे हैं। उन्हें यह नीति तुरंत बदलनी चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर टैरिफ को गेमचेंजर बताते हुए दावा किया कि अमेरिका के व्यापार घाटे में 78 फीसदी की भारी कमी आई है। उन्होंने इस बदलाव का श्रेय विभिन्न कंपनियों और देशों पर लगाए गए टैरिफ को दिया और इसे कई दशकों में पहली उपलब्धि करार दिया। सोशल मीडिया में बुधवार को यह जानकारी देते हुए ट्रंप ने कहा कि इस साल के अंत तक अमेरिका का व्यापार सकारात्मक स्थिति में पहुंच जाएगा। हालांकि, राष्ट्रपति के दावों के उलट आंकड़े कुछ और कहानी बयां कर रहे हैं। पिछले साल नवंबर में अमेरिका का व्यापार घाटा फिर से बढ़कर 56.8 अरब डॉलर पर पहुंच गया था, जो उससे पिछले महीने की तुलना में करीब 95 फीसदी अधिक था। इस दौरान निर्यात 3.6 फीसदी घटकर 292.1 अरब डॉलर रह गया।

सुशीला कार्की ने चेताया, असंतोष दूर नहीं किया तो फिर होगा विद्रोह; कहा- लोकतंत्र में होनी चाहिए जवाबदेही

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने चेतावनी दी कि यदि युवाओं के असंतोष को समय रहते दूर नहीं किया गया तो देश में एक और विद्रोह भड़क सकता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का अर्थ केवल वोट देना नहीं, बल्कि नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और जवाबदेही सुनिश्चित करना भी है। काठमांडो में 76वें लोकतंत्र दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कार्की ने युवाओं के आक्रोश और आगामी चुनावों पर बेबाकी से अपनी बात रखी। बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि 2007 की क्रांति ने नेपालियों को रैती (प्रजा) से नागरिक बनाया था। हालांकि, आज हमें खुद की समीक्षा करने की जरूरत है। उन्होंने सवाल उठाया कि लोकतंत्र की स्थापना के दशकों बाद भी नेपाल को बार-बार आंदोलनों का सामना क्यों करना पड़ रहा है। क्यों आज की नई पीढ़ी (जेन-जी) को सड़कों पर उतरना पड़ा। कार्की ने स्वीकार किया कि हमने संविधान में सुंदर शब्द तो लिखे लेकिन लोकतांत्रिक व्यवहार को संस्थागत नहीं कर पाए। प्रतिनिधि सभा के चुनावों का उल्लेख करते हुए कार्की ने देश को भरोसा दिलाया कि सरकार निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए पूरी ऊर्जा लगा रही है। पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह ने नेपाल में जनता के बीच असंतोष का हवाला देते हुए चुनाव स्थगित करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जनता की असंतुष्टि के बीच इस समय चुनाव कराने से हालात और भी ज्यादा बिगड़ सकते हैं।

चेतावनी के बीच ईरान-रूस का संयुक्त अभ्यास शुरू, ट्रंप की सख्ती से बढ़ा तनाव

काहिरा , एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव तेज है। एक ओर ट्रंप ने ईरान को परमाणु कार्यक्रम पर समझौते के लिए 10 से 15 दिन का अल्टीमेटम दिया है, दूसरी ओर ईरान और रूस ने ओमान की खाड़ी और उत्तरी हिंद महासागर में संयुक्त नौसैनिक अभ्यास किया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी बढ़ाई जा रही है। ईरानी सेना की वेबसाइट के अनुसार, ईरान की सेना, इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स और रूस की स्पेशल ऑपरेशन टीमों ने अभ्यास के दौरान कथित हाईजैक किए गए जहाज को छुड़ाने का ऑपरेशन किया। ड्रिल में ईरान का अलवंद डिस्ट्रॉयर, मिसाइल दागने वाले युद्धपोत, हेलीकॉप्टर, लैंडिंग क्राफ्ट, स्पेशल टीम और कॉम्बैट स्पीडबोट शामिल रहे। यह अभ्यास उसी सप्ताह हुआ जब आईआरजीसी ने होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र में ड्रिल की थी। उस दौरान रणनीतिक जलमार्ग कुछ समय के लिए बंद भी किया गया था। यह मार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए अहम है। संयुक्त अभ्यास को क्षेत्रीय शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। ट्रंप ने एयर फोर्स वन में कहा कि ईरान के पास डील के लिए 10 से 15 दिन हैं, इसके बाद बहुत बुरी चीजें हो सकती हैं।

अगले 10 दिनों में मिडिल ईस्ट में होगा कुछ बड़ा, ईरान को ट्रंप की कड़ी चेतावनी; कहा- बुरे नतीजे होंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर कड़ा बयान दिया है। बोर्ड ऑफ पीस की पहली बैठक में उन्होंने कहा कि ईरान को एक सार्थक समझौता करना होगा, नहीं तो हालात खराब हो सकते हैं। ट्रंप ने चेतावनी भरे अंदाज में कहा, अगले लगभग 10 दिनों में आपको पता चल जाएगा।

ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ समझौता करना हमेशा आसान नहीं रहा है। उन्होंने साफ कहा कि अगर कोई मजबूत और सार्थक डील नहीं होती है, तो बुरी चीजें हो सकती हैं। इस बयान के बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच ओमान की मध्यस्थता में अप्रत्यक्ष बातचीत फिर से शुरू हुई है। इससे पहले ट्रंप ने ईरान पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर सैन्य कार्रवाई की धमकी दी थी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह भी संकेत दिया था कि अमेरिका ईरान पर हमला कर सकता है। उन्होंने ब्रिटेन को चेतावनी दी कि वह हिंद महासागर के चागोस द्वीपसमूह पर अपनी संप्रभुता न छोड़े। ट्रंप ने कहा कि वहां स्थित डिएगो गार्सिया एयरबेस ईरान के खिलाफ जरूरत पड़ने पर इस्तेमाल की जा सकती है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, व्हाइट हाउस को जानकारी दी गई है कि सेना इस सप्ताहांत तक हमले के लिए तैयार है। हालांकि, यह साफ नहीं है कि ट्रंप अंतिम फैसला लेंगे या नहीं। एक सूत्र के अनुसार, ट्रंप इस मुद्दे पर गहराई से विचार कर रहे हैं और अपने सलाहकारों से राय ले रहे हैं। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप को ऐसे सैन्य विकल्प बताए गए हैं, जिनका मकसद अधिकतम नुकसान पहुंचाना है। इनमें ईरान के कई राजनीतिक और सैन्य नेताओं को निशाना बनाने और सरकार को गिराने की योजना भी शामिल बताई गई है। मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य जमावड़ा ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा है कि उनका देश युद्ध नहीं चाहता। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि ईरान किसी भी कीमत पर अमेरिका के दबाव के आगे नहीं झुकेगा। इस बीच, अमेरिका ने मध्य पूर्व में अपनी सैन्य ताकत बढ़ा दी है। वहां इस समय 13 अमेरिकी युद्धपोत मौजूद हैं, जिनमें विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन, नौ विध्वंसक जहाज और तीन लिटोरल कॉम्बैट शिप शामिल हैं। दुनिया का सबसे बड़ा विमानवाहक पोत यूएसएस जेराल्ड आर. फोर्ड भी अटलांटिक महासागर से मध्य पूर्व की ओर बढ़ रहा है। इसके साथ तीन विध्वंसक जहाज भी हैं। आमतौर पर इस क्षेत्र में एक समय में दो अमेरिकी विमानवाहक पोत कम ही तैनात होते हैं।

हवाई गतिविधियां हुईं तेज : रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका ने बड़ी संख्या में लड़ाकू विमान भी भेजे हैं। इनमें एफ-22 रैप्टर स्टील्थ फाइटर जेट, एफ-15 और एफ-16 लड़ाकू विमान शामिल हैं। इनके साथ केसी-135 एयर रिफ्यूलिंग विमान भी तैनात किए गए हैं, जो हवा में ईंधन भरने का काम करते हैं।

फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटरडार24 के मुताबिक, कई केसी-135 विमान मध्य पूर्व के आसपास उड़ान भरते दिखे हैं। इसके अलावा ई-3 सेंट्री चेतावनी विमान और कार्गो प्लेन भी क्षेत्र में सक्रिय हैं। कुल मिलाकर, बातचीत जारी रहने के बावजूद अमेरिका ने सैन्य तैयारी तेज कर दी है। अब सबकी नजरें ट्रंप के अगले कदम पर हैं, जो उन्होंने खुद कहा है कि अगले 10 दिनों में साफ हो जाएगा।

ट्रंप ने बांग्लादेश के पीएम तारिक रहमान को दी बधाई, पत्र में व्यापार और रक्षा संबंधों को लेकर कही ये बात

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बांग्लादेश के नव निर्वाचित प्रधानमंत्री तारिक रहमान को उनके ऐतिहासिक चुनाव पर बधाई दी। इसके साथ ही ट्रंप ने तारिक रहमान से द्विपक्षीय व्यापार और रक्षा समझौतों पर प्रगति का आग्रह करते हुए कहा है कि वॉशिंगटन ढाका के साथ अपने रणनीतिक संबंधों में गति बनाए रखने का ध्येय रखता है। 18 फरवरी, 2026 को लिखे एक पत्र में ट्रंप ने रहमान को उनकी चुनावी जीत पर बधाई दी और बांग्लादेश जन गणराज्य के प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में सफलता की कामना की। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी किए गए इस पत्र में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संबंधों को मजबूत करने पर वॉशिंगटन के रणनीतिक फोकस पर प्रकाश डाला गया। साथ ही दोनों देशों के बीच आर्थिक और रक्षा सहयोग बढ़ाने की उम्मीदों का संकेत दिया गया। ट्रंप ने अपने पत्र में कहा, हमारे देशों के बीच साझेदारी आपसी सम्मान और एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत को बढ़ावा देने के साझा हित पर आधारित है, जहां मजबूत, संप्रभु राष्ट्र समृद्ध हो सकें। उन्होंने व्यापार संबंधों के विस्तार के महत्व पर जोर दिया और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के निरंतर कार्यान्वयन का आह्वान किया।

पहले कंडोम, अब अमेरिकास... शहबाज के यूएस दौरे पर पाक की इंटरनेशनल बेइज्जती, उड़ रहा जमकर मजाक

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री नवाज सरीफ के 18 से 20 फरवरी तक अमेरिका दौरे को लेकर एक प्रेस रिलीज जारी की थी। इस बयान में बताया गया था कि वे अमेरिका में बोर्ड ऑफ पीस के उद्घाटन सत्र में भाग लेंगे। लेकिन बयान की हेडिंग में ही बड़ी गलतियां सामने आ गईं। हेडिंग इस तरह लिखी गई थी इसमें यूनाइटेड की जगह यूनाइट्स और अमेरिका की जगह अमेरिकास लिखा गया था। यानी शीर्षक में ही दो स्पष्ट टाइपिंग गलतियां थीं। सोशल मीडिया पर लोगों ने इन गलतियों को तुरंत पकड़ लिया और पाकिस्तान सरकार की आलोचना शुरू कर दी।

सोशल मीडिया पर मजाक और आलोचना : इंटरनेट यूजर्स ने इस चूक पर तीखी प्रतिक्रिया दी। एक यूजर ने लिखा, लानत है तुम पर। वहीं, सौरभ नाम के एक अन्य यूजर ने व्यंग्य करते हुए लिखा कि थोड़ा ज्यादा 'कर्टेन रेज' हो गया बोज यूनाइट्स। इस तरह यह मामला सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय छवि को लेकर सवाल उठने लगे।

पहले भी हो चुकी है ऐसी गलती : यह पहली बार नहीं है जब इस तरह की गलती सामने आई हो। पिछले साल जब इजराइल ने ईरान पर हवाई हमला किया था, तब शहबाज शरीफ के नाम से एक स्क्रीनशॉट वायरल हुआ था। उसमें कथित तौर परमैं हमले को कंडोम करता हूं लिखा गया था, जबकि सही शब्द (निंदा कर) होना चाहिए था। इस गलती को लेकर भी पाकिस्तान सरकार का काफी मजाक उड़ा था।

शरीफ शुक्रवार को वॉशिंगटन में बोर्ड ऑफ पीस के सत्र में भाग लेंगे। साथ ही अपने प्रवास के दौरान वे वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों से भी मुलाकात कर सकते हैं। बोर्ड ऑफ पीस बैठक में कौन-कौन से देश? 18 फरवरी को प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी प्रेस रिलीज के अनुसार, बोर्ड ऑफ पीस की बैठक में आठ मुस्लिम बहुल देशों के शामिल होने की संभावना है। इनमें सऊदी अरब, तुर्की, मिस्र, जॉर्डन, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, कतर और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं।बैठक में शांति और सहयोग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

शांति बोर्ड में चीन-रूस को भी शामिल करना चाहते हैं ट्रंप, दुनिया की राजनीति में नई हलचल

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शांति बोर्ड की उद्घाटन बैठक आयोजित करते हुए, इसमें चीन और रूस को शामिल करने की अपनी इच्छा व्यक्त की। इस बोर्ड की पहली बैठक वॉशिंगटन डीसी में हुई, जिसमें 40 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। ट्रंप ने कहा कि वे चाहते हैं कि चीन और रूस भी इस बोर्ड में शामिल हों। दोनों देशों को न्योता भेज दिया गया है, लेकिन अभी तक उन्होंने शामिल होने पर कोई फैसला नहीं किया है। ट्रंप ने यह भी बताया कि उनकी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं और वे अप्रैल में चीन का दौरा करने वाले हैं। ट्रंप ने कहा कि यह नया शांति बोर्ड संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के कामकाज पर भी नजर रखेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि वह सही तरीके से काम करे। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका यूएन को आर्थिक मदद देगा ताकि उसकी हालत मजबूत हो सके। इसके साथ ही बैठक में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिका इस शांति बोर्ड के काम के लिए 10 अरब डॉलर देगा। शुरुआत में यह शांति बोर्ड गाजा पट्टी के पुनर्निर्माण और शांति प्रयासों पर ध्यान देगा। ट्रंप के अनुसार, शांति बोर्ड का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय संघर्ष समाधान तंत्र को मजबूत करना और वैश्विक संकटों से निपटने के लिए सहयोग बढ़ाना है। इस बैठक में 40 से अधिक देशों के प्रतिनिधिमंडलों ने भाग लिया, लेकिन फ्रांस, ब्रिटेन, रूस और चीन सहित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रमुख सदस्य शामिल नहीं हुए। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, यूरोपीय संघ ने बोर्ड में सीट न लेने का विकल्प चुना है। भारत को भी इस बोर्ड में शामिल होने का न्योता मिला है, लेकिन भारत ने अभी कोई निर्णय नहीं लिया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने सितंबर में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए 20 सूत्री गाजा युद्धविराम योजना के दूसरे चरण के तहत शांति बोर्ड का प्रस्ताव रखा था। इस बोर्ड के शुरुआती एग्जिक्यूटिव सदस्यों में ट्रंप के दामाद जेरेड कुश्नर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर शामिल हैं।

अब सीमा पर रोबोट आर्मी तैनात करेगा चीन?

बीजिंग, एजेंसी। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें ह्यूमनॉइड रोबोट असॉल्ट राइफल लेकर चलते दिखाई दे रहे हैं। दावा किया गया कि चीन ने रोबोट सैनिकों को सैन्य सेवा के लिए ट्रेनिंग देना शुरू कर दिया है। लेकिन जांच में यह दावा संदिग्ध पाया गया है और वीडियो को एआई से तैयार किया गया बताया गया है। वायरल पोस्ट में कहा गया था कि चीन ने यूनिट्री नाम के रोबोट का लाइव-फायर टेस्ट शुरू कर दिया है। पोस्ट में यह भी लिखा गया कि भविष्य में युद्ध के लिए इंसानों की जरूरत नहीं पड़ेगी। हालांकि, एआई टूल ग्रोक की जांच में सामने आया कि यह वीडियो असली नहीं है और संभवतः एआई से बनाया गया है। 2026 में यूनिट्री के ह्यूमनॉइड रोबोट के सैन्य लाइव-फायर टेस्ट की कोई आधिकारिक या विश्वसनीय रिपोर्ट नहीं मिली है।

वीडियो पर क्या कहती है जांच : ग्रोक के अनुसार, अब तक यूनिट्री रोबोट का इस्तेमाल केवल नागरिक कार्यक्रमों में प्रदर्शन के लिए हुआ है। ये रोबोट टीवी कार्यक्रमों, जैसे स्प्रिंग फेस्टिवल गाला, में प्रदर्शन करते नजर आए हैं। पिछले वर्षों में चीन ने सैन्य परीक्षणों में चार पैरों वाले (क्वाड्रुपेड) रोबोट का इस्तेमाल किया था, लेकिन ह्यूमनॉइड रोबोट सैनिकों की ट्रेनिंग का कोई पुख्ता सबूत नहीं है। यह पहली बार नहीं है जब चीन से जुड़ी ऐसी खबरें वायरल हुई हों। इससे पहले भी दावा किया गया था कि चीन ने एलएसी के पास एआई रोबोट तैनात किए हैं। चीन में रोबोट का असली इस्तेमाल चीन ने हाल ही में कुछ गैर-लड़ाकू कामों के लिए ह्यूमनॉइड रोबोट के ट्रायल की घोषणा की है। शेनझेन की कंपनी यूबीटेक रोबोटिक्स ने वियतनाम सीमा के पास एक पायलट प्रोजेक्ट के लिए रोबोट सप्लाई करने का करार किया है। इस प्रोजेक्ट में वॉकर एस2 नाम का ह्यूमनॉइड रोबोट शामिल है, जिसे जुलाई 2025 में पेश किया गया था। इसे ऐसी बैटरी सिस्टम के साथ बनाया गया है जो खुद बदल सकती है, जिससे यह लंबे समय तक काम कर सकता है। इसका उपयोग लॉजिस्टिक्स, कस्टम और बॉर्डर मैनेजमेंट जैसे कामों में किया जाना है। चीन की कंपनी ने हाल ही में टीवी प्रसारण के दौरान ह्यूमनॉइड रोबोट से मार्शल आर्ट का प्रदर्शन कराया, जिससे दुनिया का ध्यान आकर्षित हुआ।

चीन का रोबोटिक्स पर जोर : अन्य कंपनियां भी इस क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। मैजिकलब ने डांस करते ह्यूमनॉइड रोबोट दिखाए, जबकि नोएटिक्स रोबोटिक्स ने इंसानों जैसे दिखने वाले रोबोट पेश किए। बीजिंग की गैल्बोट ने ऐसे रोबोट दिखाए जो अखरोट तोड़ने, सॉसेज में सींक लगाने और कपड़े मोड़ने जैसे काम कर सकते हैं।

मैंने 2.5 करोड़ लोगों की जान बचाई, ट्रंप का नया दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच मई 2025 में बढ़े सैन्य तनाव को अपनी टैरिफ नीति की धमकी से रुकवाया। उन्होंने कहा कि अगर दोनों देश लड़ाई जारी रखते, तो वह उन पर 200 प्रतिशत टैरिफ (भारी आयात शुल्क) लगा देते। ट्रंप ने यह बयान अपने द्वारा शुरू किए गए संगठन बोर्ड ऑफ पीस के पहले कार्यक्रम में दिया। इस कार्यक्रम में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी मौजूद थे।

मैंने 2.5 करोड़ लोगों की जान बचाई : कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने उनके चीफ ऑफ स्टाफ के सामने कहा था कि राष्ट्रपति ट्रंप ने 2.5 करोड़ (25 मिलियन) लोगों की जान बचाई, जब उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाया। ट्रंप ने दावा किया कि उस समय युद्ध भड़क रहा था, विमान गिराए जा रहे थे। उन्होंने कहा, मैंने दोनों को फोन किया। मैं प्रधानमंत्री मोदी को अच्छी तरह जानता हूं। मैंने उनसे कहा एक्स अगर आप लोग यह मामला नहीं सुलझाते तो मैं आप दोनों के साथ कोई व्यापार समझौता नहीं करूंगा।

अगर लड़ोगे तो 200त्न टैरिफ लगाऊंगा : ट्रंप ने कहा कि उन्होंने दोनों देशों को साफ शब्दों में चेतावनी दी थी कि अगर आप लड़ाई जारी रखते हैं तो मैं आपके देशों पर 200 प्रतिशत टैरिफ लगा दूंगा। उन्होंने आगे कहा, वे दोनों लड़ना चाहते थे। लेकिन जब बात पैसे की आई, तो पैसे जैसा कुछ नहीं होता। जब उन्हें भारी आर्थिक नुकसान का अंदेशा हुआ, तो उन्होंने कहा ङ्क शायद हम लड़ना नहीं चाहते। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि उस दौरान 11 जेट विमान गिराए गए थे और वे बहुत महंगे थे।

बोर्ड ऑफ पीस की पहली बैठक : ये बयान ट्रंप ने बोर्ड ऑफ पीस की पहली बैठक में दिया। यह उनका एक नया अंतरराष्ट्रीय मंच है, जिसे वे संयुक्त राष्ट्र जैसा एक शांति मंच बताते हैं। इस संगठन की सदस्यता के लिए भारत समेत कई देशों को निमंत्रण भेजा गया था। पाकिस्तान ने तुरंत ट्रंप के नेतृत्व वाले इस बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने का फैसला किया। पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पहले भी ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित कर चुके हैं और उनके शांति प्रयासों की सराहना की है। हालांकि, भारत ने ट्रंप के इन दावों से दूरी बनाई है। भारत ने स्पष्ट किया है कि मई 2025 में भारत-पाकिस्तान के बीच जो सैन्य स्थिति बनी थी, उसे सुलझाने में किसी भी विदेशी शक्ति की मध्यस्थता नहीं थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ही साफ कर चुके हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच की स्थिति द्विपक्षीय थी और उसमें किसी तीसरे देश की मध्यस्थता नहीं हुई।

खोज: 25 नहीं, 30 की उम्र तक पूरी तरह विकसित होता है दिमाग; नए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन ने तोड़ा फ्रंटल लोब मिथ

पेरिस, एजेंसी। दशकों से यह दावा किया जाता रहा है कि इंसान का फ्रंटल लोब 25 वर्ष की उम्र तक पूरी तरह विकसित हो जाता है। ब्रेन-इमेजिंग अध्ययनों के सीमित डाटा पर बनी यह मान्यता अब अधूरी मानी जा रही है। हालिया शोध से संकेत मिला है कि मस्तिष्क की वायरिंग, नेटवर्क दक्षता और संरचनात्मक संतुलन में महत्वपूर्ण बदलाव 30 की शुरुआती उम्र तक जारी रहते हैं। इसका अर्थ है कि 25 वर्ष मस्तिष्क परिपक्वता की अंतिम सीमा कभी था ही नहीं। शोध के अनुसार फ्रंटल लोब को योजना बनाने, निर्णय लेने, निर्णय क्षमता, भावनात्मक नियंत्रण और सामाजिक व्यवहार जैसे उच्च-स्तरीय कार्यों के लिए जिम्मेदार माना जाता है। इसी वजह से जब युवा आवेगपूर्ण व्यवहार करते हैं या अस्थिरता महसूस करते हैं, तो अक्सर कहा जाता है कि उनका फ्रंटल लोब अभी पूरी तरह विकसित नहीं हुआ है। 20 और 30 के शुरुआती उम्र के कई लोगों के लिए यह विचार सांत्वना देने वाला भी रहा है कि जीवन की उलझनों के पीछे आंशिक रूप से जैविक कारण हो सकते हैं। जब हम छोटे होते हैं, तो मस्तिष्क बहुत ज्यादा रास्ते बना लेता है जैसे हर सड़क में गली बना दी जाए। उम्र बढ़ने के साथ दिमाग तय करता है कि कौन-से रास्ते उपयोगी हैं और कौन-से नहीं। जो कम इस्तेमाल होते हैं, वे खत्म हो जाते हैं और जरूरी रास्ते चौड़े व मजबूत हो जाते हैं। यही प्रक्रिया न्यूरल प्रूनिंग कहलाती है। इसी कारण किशोरावस्था में सोचने का तरीका बदलता है। यदि 20 की उम्र तक मस्तिष्क निर्माणाधीन है, तो सवाल उठता है कि इस संरचना को बेहतर बनाने के लिए क्या किया जा सकता है। इसका उत्तर न्यूरोप्लास्टिसिटी में निहित है, यानी मस्तिष्क की स्वयं को पुनर्गठित और पुनर्संरचित करने की क्षमता। हालांकि मस्तिष्क जीवन भर परिवर्तनशील रहता है, लेकिन नौ से 32 वर्ष की अवधि संरचनात्मक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर मानी गई है। शोध से पता चलता है कि उच्च-तीव्रता वाला एरोबिक व्यायाम, नई भाषाएं सीखना और शतरंज जैसे संज्ञानात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण शौक मस्तिष्क की न्यूरोप्लास्टिक क्षमता को बढ़ा सकते हैं। शोध से स्पष्ट होता है कि 25 या 32 वर्ष कोई जादुई सीमा नहीं है।

नेपाल चुनाव में राजनीतिक दलों ने जारी किए घोषणा पत्र, पड़ोसी देशों से मैत्रीपूर्ण संबंधों का वादा

काठमांडू , एजेंसी। 5 मार्च को होने वाले आम चुनावों से पहले नेपाल की तीन प्रमुख राजनीतिक पार्टियों नेपाली कांग्रेस (एनसी), नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यू) और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने गुरुवार को अपने-अपने चुनावी घोषणा पत्र जारी किए। तीनों दलों ने पड़ोसी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण और संतुलित संबंधों पर जोर दिया है।

जहां पारंपरिक दल एनसी और यूएमएल की विदेश नीति उनके पूर्व शासन अनुभव के आधार पर जानी-पहचानी है, वहीं अगली सरकार का नेतृत्व करने की आकांक्षा रखने वाली आरएसपी की विदेश नीति को लेकर खास उत्सुकता थी। पार्टी ने पूर्व काठमांडू महानगरपालिका मेयर बालेन शाह को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है। आरएसपी ने अपने घोषणा पत्र में संतुलित और गतिशील कूटनीति अपनाने की बात कही है। पार्टी ने नेपाल को बफर स्टेट से सक्रिय सेतु (वाइब्रेंट ब्रिज) में बदलने का संकल्प जताया है। इसके तहत त्रिपक्षीय आर्थिक साझेदारी और क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देने की योजना है, विशेष रूप से भारत और चीन जैसे पड़ोसी देशों के साथ। पार्टी ने माना कि नेपाल में भारत और चीन के रणनीतिक हित हैं और वैश्विक शक्ति संतुलन में बदलाव हो रहा है। ऐसे में नेपाल को सक्रिय और लचीली कूटनीतिक नीति अपनानी चाहिए, ताकि वह बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य और पड़ोसी अर्थव्यवस्थाओं के उदय से लाभ उठा सके। आरएसपी ने पिछले दशक में भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, उच्च गुणवत्ता वाली भौतिक परियोजनाओं, अर्थव्यवस्था के औपचारिककरण और औद्योगिक-सेवा क्षेत्र समन्वय में हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि नेपाल दक्षिणी पड़ोसी के अनुभव से लाभ ले सकता है। साथ ही, चीन के साथ रियायती वित्तपोषण के जरिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, राज्य-निर्देशित विकास योजना और अंतर-प्रांतीय प्रतिस्पर्धा के मॉडल से सीखने पर भी जोर दिया गया है। एनसी ने अपने घोषणा पत्र में कहा कि उसकी विदेश नीति के तहत नेपाल किसी भी रक्षा, सैन्य या सुरक्षा संघर्ष का हिस्सा नहीं बनेगा और न ही प्रमुख शक्तियों के बीच बढ़ती रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में शामिल होगा। पार्टी ने समानता के आधार पर सभी देशों के साथ मित्रता बनाए रखने के अपने पुराने सिद्धांत को दोहराया। पार्टी ने कहा, हमारे पड़ोसी और मित्र देशों के साथ संबंध समानता और पारस्परिक सम्मान पर आधारित होंगे तथा पारस्परिक लाभ और आर्थिक साझेदारी के आधार पर आगे बढ़ाए जाएंगे। पार्टी ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रहेगा। सीपीएन-यूएमएल ने भी अपनी लंबे समय से चली आ रही विदेश नीति सबसे मित्रता, किसी से शत्रुता नहीं को दोहराया। पार्टी ने पड़ोसी मित्र देशों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध और सहयोग को मजबूत करने तथा व्यापक अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ जुड़ाव बढ़ाने का संकल्प जताया। यूएमएल ने कहा कि उसके नेतृत्व में नेपाल किसी भी पड़ोसी के प्रति दुर्भावना नहीं रखेगा और ऐसा कोई कदम नहीं उठाएगा जिससे उनके हितों को नुकसान पहुंचे। आगामी चुनावों में विदेश नीति, क्षेत्रीय संतुलन और पड़ोसी देशों के साथ संबंध प्रमुख मुद्दों में शामिल होते दिख रहे हैं।

टी20 विश्व कप: भारत-साउथ अफ्रीका सुपर-8 में महामुकाबले को तैयार, अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम बनेगा गवाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट मैदान नरेंद्र मोदी स्टेडियम एक बार फिर इतिहास रचने को तैयार है। टी20 वर्ल्ड कप सुपर-8 के बहुप्रतीक्षित मुकाबले में रविवार, 22 फरवरी को भारत और साउथ अफ्रीका की टीमें आमने-सामने होंगी। यह मैच केवल ग्रुप स्टेज की जंग नहीं, बल्कि 2024 के फाइनल की यादें ताजा करने वाली भिड़ंत भी है। भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव कर रहे हैं, जबकि साउथ अफ्रीका की कमान एडन मारक्रम के हाथों में है। दोनों टीमें सुपर-8 में अजेय लय के साथ प्रवेश कर चुकी हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका ने अपने-अपने ग्रुप में चारों मैच जीतकर दबदबा बनाया। अहमदाबाद की पिच पर दोनों टीमों का अनुभव भी समान है साउथ अफ्रीका ने अपने ग्रुप-डी के तीन मुकाबले यहीं खेले, जबकि भारत ने नीदरलैंड को इसी पिच पर हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया। ऐसे में यह मुकाबला परिस्थिति और माहौल से भलीभांति परिचित दो मजबूत टीमों के बीच कड़े संघर्ष का संकेत देता है।

टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच हुए मुकाबले हमेशा रोमांच से भरपूर रहे हैं। अब तक खेले गए सात मैचों में भारत ने पांच बार जीत दर्ज की है, जबकि दक्षिण अफ्रीका केवल दो मैचों में सफल रहा है। 2010 में सेंट लूसिया में भारत का सर्वोच्च स्कोर 186/5 रहा, वहीं 2007 में डरबन में दक्षिण अफ्रीका 116/9 के अपने न्यूनतम स्कोर पर ढेर हुआ था। व्यक्तिगत प्रदर्शनों की बात करें तो उस सुरेश रैना ने इन मुकाबलों में सर्वाधिक 170 रन बनाए थे, जबकि डेविड मिलर औसत के मामले में शीर्ष पर हैं। गेंदबाजी में भारत के लिए आरपी सिह और रविचंद्रन अश्विन पांच-पांच विकेट लेकर संयुक्त रूप से सबसे सफल रहे हैं।

रणनीति की बात करें तो अहमदाबाद की पिच अक्सर स्पिन गेंदबाजों की मददगार साबित होती है। भारत के पास कुलदीप यादव और अक्षर पटेल जैसी दमदार स्पिन जोड़ी मौजूद है, जबकि दक्षिण अफ्रीका को मार्करम और केशव महाराज से काफी उम्मीदें होंगी।

आमिर की हालिया भविष्यवाणी के बाद भारतीय टीम पर खुद को साबित करने का दबाव भी बढ़ गया है। अभिषेक शर्मा की खराब फॉर्म चिंता का विषय है, लेकिन बड़ा मंच खिलाड़ियों को लय में लौटने का अवसर भी देता है। दक्षिण अफ्रीका के सामने 2024 की कड़वी हार की यादें भी हैं, जब ब्रिजटाउन में भारत ने सात रन से जीत दर्ज की थी। इस बार दोनों टीमें सेमीफाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाने के इरादे से मैदान पर उतरेंगी और क्रिकेट जगत की निगाहें अहमदाबाद में होने वाली इस ऐतिहासिक जंग पर टिकी होंगी।

टीम इस प्रकार है

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, संजू सैमसन, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्कराम (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), रयान रिकेलटन, डेवाल्ड ब्रेविस, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर, मार्को यानसन, कैगिसो रबाडा, एनरिक नॉर्खिया, क्वेना मफाका, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, जॉर्ज लिंडे, जेसन स्मिथ, कॉर्बिन बॉश।

मुंबई और अहमदाबाद की चुनौतीपूर्ण पिचों पर मोर्ने मोर्कल ने जताई क्यूरेटरों के प्रति सहानुभूति

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के वानखेड़े और अहमदाबाद के मोटेरा स्टेडियम में बल्लेबाजी के लिए कठिन मानी जा रही पिचें क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। इन सतहों पर भारतीय बल्लेबाजों को रनगति बढ़ाने में संघर्ष करना पड़ा है। एक पिच पर नमी अधिक रही, जबकि दूसरी पर गेंद रुककर आ रही थी, जिससे बल्लेबाजों के लिए शॉट खेलना आसान नहीं था। इसके बावजूद भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने पिच तैयार करने वाले क्यूरेटरों के प्रति सहानुभूति जताते हुए कहा कि उन्होंने उपलब्ध परिस्थितियों के हिसाब से सर्वोत्तम प्रयास किया है।

मोर्कल के अनुसार, सत्र के अंतिम चरण में 200 से अधिक रन वाली पिच तैयार करना आसान नहीं होता और क्यूरेटर इस चुनौती को काफी दबाव में रहकर निभाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थितियों में उन्हें पूरा श्रेय मिलना चाहिए। इन पिचों पर आक्रामक बल्लेबाजी के लिए मशहूर भारतीय बल्लेबाजों को शुरुआती मैचों में लय हासिल करने में मुश्किल हुई। तिलक वर्मा जहां तेज शुरुआत नहीं कर सके, वहीं सूर्यकुमार यादव को भी अपने शॉट खेलने से पहले सावधानी बरतनी पड़ी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 मुकाबले से पहले मोर्कल ने माना कि दर्शकों की उम्मीदें बड़ी होती हैं और वे ऊंचे स्कोर वाले रोमांचक मैच देखना चाहते हैं। ऐसे में क्यूरेटरों पर बेहतर पिच देने का अतिरिक्त दबाव रहता है। उन्होंने कहा कि पिच के व्यवहार का सही आकलन करना हमेशा चुनौतीपूर्ण काम रहा है। भले ही टीम नमी, सूखापन और गेंद की गति का अनुमान लगाने की कोशिश करती है, लेकिन सटीक भविष्यवाणी कम ही हो पाती है। इसलिए ऐसे खिलाड़ियों की मौजूदगी अहम होती है, जो बदलती परिस्थितियों को जल्दी समझकर अपना खेल ढाल सकें।

घरेलू सत्र में पिचों के अधिक उपयोग से उनके व्यवहार में बदलाव आने के सवाल पर मोर्कल ने स्पष्ट रूप से कुछ नहीं कहा, लेकिन यह जरूर माना कि भारत ने टूर्नामेंट में परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में अच्छी लय पकड़ी है। पहले मैच को छोड़ दें तो बाकी मुकाबलों ने टीम को सीखने का अवसर दिया। उन्होंने कहा कि शुरुआती मैच की पिच 200 रन वाली नहीं थी, बल्कि लगभग 170 रन की सतह थी, और टीम ने शुरुआत में जरूरत से ज्यादा आक्रामक रुख अपनाया। मोर्कल के अनुसार, हर मैच सीख देता है और यही क्रिकेट की खूबसूरती है।

अहमदाबाद : सुपर 8 से पहले मोहम्मद सिराज की चोट ने बढ़ाई भारत की चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अहमदाबाद में टी20 वर्ल्ड कप के सुपर 8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तैयारी कर रही है। यह मैच 2024 के फाइनल का रीमैच माना जा रहा है और जीतने वाली टीम सेमीफाइनल की ओर महत्वपूर्ण कदम बढ़ाएगी। हालांकि, मुकाबले से ठीक पहले टीम को बड़ी चोट की समस्या ने परेशान कर दिया है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत को पहले ही खिलाड़ियों की बीमारी और चोटों का सामना करना पड़ा है। जसप्रीत बुमराह और अभिषेक शर्मा पहले कुछ मैचों में नहीं खेल पाए थे, जबकि वॉशिंगटन सुंदर भी बीमार पड़ गए थे। सुपर 8 में शामिल होने से ठीक पहले हर्षित राणा चोट के कारण बाहर हो गए, जिससे मोहम्मद सिराज को देर से टीम में शामिल किया गया।

सिराज ने ग्रुप स्टेज में अमेरिका के खिलाफ भारत के पहले मैच में तीन विकेट लिए। लेकिन शुक्रवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अभ्यास के दौरान सिराज को हार्दिक पंड्या के शॉट से बाएं पैर के घुटने में जोरदार चोट लगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चोट लगते ही सिराज दर्द से कराह उठे और नेट्स से लंगड़ाते हुए बाहर आए। अब तक सिराज ने केवल अमेरिका के खिलाफ मैच खेला है, और बाकी मैचों में जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह को तरजीह दी गई है।

टीम के गेंदबाजी कोच मोर्कल ने रविवार को सुपर 8 मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्टार स्पिनर वरुण पर भी भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि वरुण निश्चित तौर पर टीम के स्ट्राइक बॉलर हैं और उनकी सफलता साथी गेंदबाजों, खासकर बुमराह के समर्थन पर निर्भर करती है। मोर्कल ने कहा, 'वरुण ने वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन किया है और बुमराह तथा अन्य गेंदबाजों के साथ मिलकर विकेट लेने में अहम भूमिका निभाएंगे।' इस बीच, सिराज की चोट भारतीय टीम के लिए चिंता का विषय बनी हुई है, खासकर दक्षिण अफ्रीका जैसे मजबूत प्रतिद्वंदी के खिलाफ निर्णायक मुकाबले से पहले। टीम प्रबंधन अब उनकी फिटनेस पर नजर रखे हुए है और अंतिम प्लेइंग इलेवन में बदलाव की संभावना बनी हुई है।

टी20 विश्व कप: सुपर-8 में इंग्लैंड और श्रीलंका की अहम भिड़ंत, पल्लेकेले में इंग्लैंड बदलेगा लय

पल्लेकेले (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 चरण में आज पल्लेकेले में इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच रोमांचक मुकाबला खेला जाएगा। इंग्लैंड भले ही सुपर-8 में प्रवेश कर चुका हो, लेकिन उसका प्रदर्शन अब तक उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है। टीम को एसोसिएट देशों के खिलाफ जीत के लिए संघर्ष करना पड़ा, जबकि पूर्व चैंपियन वेस्टइंडीज से उसे हार झेलनी पड़ी थी। ऐसे में इंग्लैंड इस मैच के जरिए अपनी लय वापस हासिल करना चाहेगा। दिलचस्प बात यह है कि टूर्नामेंट से पहले आयोजित तीन मैचों की टी20 सीरीज में इंग्लैंड ने श्रीलंका का 3-0 से क्लीन स्वीप किया था, जिससे टीम को एकबार फिर प्रेरणा मिल सकती है। दूसरी ओर, सह-मेजबान श्रीलंका ने टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की थी। आयरलैंड और ओमान को हराने के बाद टीम ने ऑस्ट्रेलिया को आठ विकेट से मात देकर अपने इरादे साफ कर दिए थे। हालांकि, अंतिम ग्रुप मैच में जिम्बाब्वे के हाथों मिली हार ने उसके अभियान को थोड़ा झटका दिया। श्रीलंका अब घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाकर सुपर-8 में मजबूत शुरुआत करना चाहेगा। टीम के सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका अब तक शानदार फॉर्म में हैं और इस विश्व कप

में शतक लगाने वाले तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं। वह टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोररों में दूसरे स्थान पर हैं। उनके अलावा कुसल मेंडिस भी शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और चार मैचों में तीन अर्धशतक लगा चुके हैं। इंग्लैंड के लिए बल्लेबाजी चिंता का विषय रही है। जैकब बेथेल ने जरूर 143 रन बनाकर प्रभावित किया है, लेकिन कप्तान हैरी ब्रूक और जोस बटलर की फॉर्म अभी भी टीम को परेशान कर रही है। गेंदबाजी में आदिल राशिद और लियाम डॉसन इंग्लैंड की उम्मीदों का केंद्र होंगे। राशिद चार मैचों में छह विकेट ले चुके हैं और स्थिति उनके पक्ष में रही तो वह श्रीलंकाई बल्लेबाजों के लिए चुनौती बन सकते हैं। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर पर भी टीम को भरोसा रहेगा। श्रीलंका की गेंदबाजी में महीश तीक्षाना छह विकेट के साथ सबसे सफल रहे हैं। हालांकि तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना के बाहर होने से टीम को बड़ा झटका लगा है, लेकिन उनकी जगह आए दिलशान मदुशंका ने प्रभावित किया है। दुशमंथा चमीरा भी आखिरी मैच में आराम करने के बाद वापसी के लिए तैयार हैं। मैच पर बारिश का खतरा भी मंडरा रहा है, जिससे परिणाम प्रभावित हो सकता है। दोपहर 3 बजे शुरू होने वाला यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए सुपर-8 के अभियान में टोन सेट करने वाला साबित होगा।

इंग्लैंड: हैरी ब्रूक (कप्तान), टॉम बैंटन, जोस बटलर, बेन डकेट, फिल साल्ट, जैकब बेथेल, सैम करेन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टोंग, ल्यूक वुड।

श्रीलंका: कुसल मेंडिस, कामिल मिशारा, पथुम निसांका, कुसल परेरा, पवन रत्नायके, दासुन शनाका (कप्तान), चैरिथ असालंका, दुशान हेमंथा, जेनिथ लियानगे, कामिंदु मेंडिस, दुशमंथा चमीरा, दिलशान मदुशंका, प्रमोद मदुशन, महीश तीक्षाना, डुनिथ वेललागे।

अभिषेक इस कारण हो रहे असफल : अश्विन

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अब तक टी20 विश्वकप मैचों में रन बनाने में असफल रहे हैं। अभिषेक अपने तीनों ही मैचों में खाता नहीं खोल पाये हैं। जिससे सुपर-8 में उनके प्रदर्शन को लेकर चिंताएं बढ़ गयी हैं। वहीं पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने इस युवा बल्लेबाज को असफल होने के कारण बताने के साथ ही फार्म हासिल करने के लिए अहम सुझाव भी दिया है। अश्विन ने उनकी बल्लेबाजी का आंकलन करते हुए उनकी कमजोरी बताई है। अश्विन के अनुसार अब अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों ने अभिषेक के खेलने के तरीके को समझ लिया है। इसलिए गेंदबाज अब उन्हें हावी होने के लिए बिल्कुल जगह नहीं देते। गेंदबाज अब अभिषेक के शरीर के बहुत करीब गेंदबाजी कर रहे हैं। वहीं अभिषेक अपना सामने वाला पैर हटाकर जोर से बल्ला घुमाते हैं। ऐसे में जब गेंद शरीर के करीब आती है तो उन्हें शॉट खेलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिल पाती है जिससे वह आउट हो रहे हैं। अश्विन के अनुसार अगर नीदरलैंड के खिलाफ मैच को देखें तो गेंदबाज आर्यन दत्त ने इसी रणनीति का प्रयोग किया। आर्यन ने गेंद को अंदर की तरफ एंगल दिया जिससे वह सीधे अभिषेक के शरीर की लाइन में आई। अभिषेक उस गेंद की लाइन में नहीं आ सके और बोल्ड को गये। अभिषेक को शॉट खेलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिली जिसके कारण वह आउट हो गए। गेंदबाजों ने इस प्रकार अभिषेक की आक्रामक बल्लेबाजी पर अंकुश लगा दिया है।

वर्ल्ड कप के इतिहास में लगातार सबसे अधिक मैच हारने का रिकॉर्ड ओमान के नाम

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप स्टेज का अंत ऑस्ट्रेलिया की शानदार जीत और ओमान की निराशाजनक हार के साथ हुआ। मिचेल मार्श की कप्तानी में खेल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने ओमान को सिर्फ 9 विकेट से रौंद दिया। ओमान ने इस वर्ल्ड कप में अपने चारों मैच गंवा दिए और एक बार फिर टूर्नामेंट से बाहर होने का कड़वा अनुभव झेला। इस हार के साथ ओमान टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा मैच हारने वाली टीम बन गई, और उन्होंने बांग्लादेश के रिकॉर्ड के बराबरी कर ली। ओमान ने पहली बार 2016 में टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था, जब तीन ग्रुप स्टेज मैचों में केवल एक जीत दर्ज की गई थी। 2021 में जीशान मकसूद की कप्तानी में भी टीम ने तीन मैचों में केवल एक ही जीत हासिल की। 2022 के एडिशन के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाए और 2024 में आकिब इलियास की कप्तानी में कोई जीत हासिल नहीं हुई। इस बार भी चार हार के साथ वे ग्रुप क्ष में सबसे नीचे रहे। ऑस्ट्रेलिया ने अपने अंतिम लीग मैच में ओमान को 16.2 ओवर में 104 रन पर आउट किया। लेग स्पिनर एडम जैंपा ने चार विकेट चटकाए और सिर्फ 21 रन खर्च किए। जेवियर बार्टलेट और ग्लेन मैक्सवेल को दो-दो विकेट मिले। जवाब में मिचेल मार्श ने 33 गेंद में नाबाद 64 रन बनाए और ट्रेविस हेड ने 19 गेंद में 32 रन का योगदान दिया। दोनों ने 93 रन की साझेदारी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को सिर्फ 9.4 ओवर में जीत दिलाई। मार्श ने सात चौके और चार छक्के लगाए, जबकि हेड ने छह चौके जड़े। यह टी20 वर्ल्ड कप में 100+ रन का लक्ष्य पूरा करने वाली अब तक की सबसे तेज जीत साबित हुई। ऑस्ट्रेलिया ने औपचारिकता के इस मैच को शानदार अंदाज में समाप्त किया, वहीं ओमान का रिकॉर्ड एक बार फिर निराशाजनक बना।

भारत ने रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को हराकर टी20 सीरीज जीती

एडिलेड (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एडिलेड में खेले गए निर्णायक तीसरे टी20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 17 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली। 177 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम 20 ओवर में 159 रन ही बना सकी। भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत कौर को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जिन्होंने दबाव भरे हालात में 82 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और तीसरे ओवर में शेफाली वर्मा सिर्फ 7 रन बनाकर आउट हो गईं। हालांकि इसके बाद स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स ने दूसरे विकेट के लिए महत्वपूर्ण साझेदारी की। मंधाना ने 55 गेंदों में 82 रन बनाए, जिसमें 8 चौके और 3 छक्के शामिल थे। रोड्रिग्स ने भी 46 गेंदों पर 59 रन की सूझबूझ भरी पारी खेली। अंत में ऋचा घोष ने 7 गेंदों में 18 रन जोड़कर टीम को 176/5 तक पहुंचा दिया, हालांकि आखिरी ओवर में भारत ने तेजी से तीन विकेट गंवाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की टीम की शुरुआत भी खराब रही। रेणुका सिंह ठाकुर के पहले ओवर में 18 रन जरूर बने, लेकिन जल्द ही श्रेयंका पाटिल ने भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद रेणुका ने बेथ मूनी को आउट कर टीम को मजबूती दी। एलिस पैरी भी सिर्फ 1 रन बनाकर पाटिल की गेंद पर बोल्ड हो गईं। इस शुरुआती झटकों के बाद ऑस्ट्रेलिया दबाव से उबर नहीं पाई। फोएबे लिचफील्ड ने 26 रन की पारी खेली, लेकिन श्री चरणी ने उन्हें आउट कर भारत को चौथी सफलता दिलाई। अरुणधति रेड्डी ने लगातार दो विकेट चटकाते हुए ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदों को और कमजोर किया। एश्ली गार्डनर ने जरूर 45 गेंदों में 57 रन बनाकर प्रतिरोध किया, लेकिन उन्हें भी रेड्डी ने पवेलियन भेज दिया।

ग्रेस हैरिस हिट-विकेट हुईं और सोफी मोलीनेक्स भी श्री चरणी की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुईं। अंत में श्रेयंका पाटिल ने एमी सदरलैंड को आउट कर ऑस्ट्रेलिया की आखिरी उम्मीद भी खत्म कर दी। भारतीय गेंदबाजों के सामूहिक प्रदर्शन ने टीम को शानदार जीत दिलाई। इस जीत के साथ भारत ने न केवल सीरीज अपने नाम की, बल्कि मजबूत टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दमदार खेल दिखाते हुए आत्मविश्वास भी बढ़ाया।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 : बासित अली का दावा – भारत-पाकिस्तान में होगा फाइनल

नई दिल्ली । आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज में भारत और पाकिस्तान के बीच एक हाई-वोल्टेज मुकाबला हो चुका है, लेकिन क्रिकेट प्रेमियों की इच्छा इससे भी आगे की है। फैंस अब दोनों टीमों को एक बार फिर आमने-सामने देखने का इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच पूर्व पाकिस्तानी बल्लेबाज बासित अली के बयान ने टूर्नामेंट को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है। बासित अली का मानना है कि टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल भारत और पाकिस्तान के बीच खेला जाएगा और सलमान अली आगा की अगुवाई वाली पाक टीम 8 मार्च को भारतीय टीम से खिताबी मुकाबले में भिड़ेगी।

यह भविष्यवाणी उन्होंने एक पाकिस्तानी टीवी शो के दौरान की, जहां शो के होस्ट शोयब मलिक ने उनसे टी20 वर्ल्ड कप के चार सेमीफाइनलिस्ट चुनने को कहा। बासित ने बिना झिझक भारत और पाकिस्तान को फाइनलिस्ट बताते हुए कहा कि वे दोनों टीमों को अंतिम मुकाबले में खेलते हुए देख रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड को सेमीफाइनल में पहुंचने वाली बाकी दो टीमें माना। वहीं शो में मौजूद पूर्व विकेटकीपर कमरान अकमल ने थोड़ा अलग अनुमान लगाते हुए भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका को शीर्ष चार में शामिल किया। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 चरण में टीम इंडिया दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के साथ एक्स ग्रुप में है। दूसरी ओर पाकिस्तान इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और श्रीलंका के साथ वाई ग्रुप में शामिल है। दोनों समूहों में प्रतिस्पर्धा बेहद कड़ी होने वाली है और हर मैच टीमों के अभियान को गहराई से प्रभावित कर सकता है।

दुबई टेनिस चैंपियनशिप : कोको गॉफ को हराकर फाइनल में एलिना स्वितोलिना

दुबई। यूक्रेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने दुबई टेनिस चैंपियनशिप के महिला सिंगल्स सेमीफाइनल में अमेरिका की Coco Gauff को तीन सेटों के कड़े मुकाबले में हराकर फाइनल में जगह बना ली। तीन घंटे तीन मिनट तक चले इस रोमांचक मैच में स्वितोलिना ने 6-4, 6-7 (13), 6-4 से जीत दर्ज की। मुकाबले के दौरान उन्होंने कई मैच प्वाइंट गंवाए, लेकिन निर्णायक सेट में दमदार वापसी कर जीत अपने नाम की। दूसरे सेट का टाई-ब्रेक बेहद रोमांचक रहा, जिसे स्वितोलिना 13-15 से हार गईं। इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और तीसरे सेट में संयम व आक्रामक खेल का बेहतरीन संतुलन दिखाते हुए मुकाबला जीत लिया। यह दुबई में उनका तीसरा फाइनल है और 2018 के बाद पहला। मैच के बाद कोर्ट पर दिए इंटरव्यू में स्वितोलिना ने कहा, 'उस लड़ाई के बाद मेरे पास शब्द नहीं थे। मैं पूरी ताकत झोंक रही थी और ऐसे खेल रही थी जैसे कल है ही नहीं। आप सभी के समर्थन के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। कुछ सालों बाद यहां फिर से फाइनल में होना और उस खूबसूरत ट्रॉफी को उठाने का मौका मिलना बहुत खास है।' इस जीत के साथ स्वितोलिना ने डब्ल्यूटीए टूर स्तर पर कोको गॉफ के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 3-2 कर लिया है। अब वह फाइनल में अमेरिका की Jessica Pegula से भिड़ेंगी। यह 2018 के रोम टूर्नामेंट के बाद स्वितोलिना का पहला WTA 1000 फाइनल है। रोम 2018 और दुबई 2026 के बीच सात साल 277 दिन का अंतर है, जो इस स्तर के फाइनल्स के बीच सबसे लंबा अंतराल माना जा रहा है।

श्रीकांत ने वरुण को आधुनिक युग का महान गेंदबाज बताया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की जमकर प्रशंसा की है। श्रीकांत का मानना है कि वरुण आधुनिक युग के महान गेंदबाज हैं और तेज जसप्रीत बुमराह से भी कहीं बेहतर हैं। इस पूर्व सलामी बल्लेबाज के अनुसार वरुण को अभी तक उतनी सराहना नहीं मिली है जितनी मिलनी चाहिये थी। वरुण ने अब तक टी20 विश्व कप के चार मैचों में 6.88 की औसत और 5.16 की इकॉनमी रेट से नौ विकेट लिए हैं। वरुण और बुमराह ने अब तक साथ में 21 मैच खेले हैं, जिनमें विकेट लेने के मामले में वरुण ने बुमराह को पीछे छोड़ दिया है। वरुण ने 32 विकेट लिए हैं, जबकि बुमराह के 22 विकेट हैं। श्रीकांत के अनुसार इसके बाद भी वरुण को वह सम्मान नहीं मिला है जो मिलना चाहिये जबकि दुनिया भर के बेहतरीन बल्लेबाज भी उसने सामने सहज नजर नहीं आते। पहले जो काम बुमराह करते थे वही वरुण अब कर रहे हैं। साथ ही कहा कि उनकी ज्यादातर गेंदें ऑफ स्टंप और मिडिल स्टंप के आसपास होती हैं। ऐसे में दाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ, गेंदें थोड़ी अंदर की ओर आती है और फिर घूमती है जबकि उनकी गूगली तेजी से अंदर की ओर आती है। उनके ज्यादातर विकेट अच्छी लेंथ या थोड़ी कम लेंथ की गेंदों से आते हैं। फुल लेंथ की गेंदें भी नहीं। यहां तक कि उनकी शॉर्ट बॉल भी समझ नहीं आती हैं। इससे बल्लेबाजों को पता नहीं चलता कि वह किस प्रकार की गेंदबाजी कर रहें है। अभी लगता है कि वह गूगली फेंक रहे हैं तो अभी लगता है कि वह सीधी गेंद फेंक रहे हैं जो धीमी आ रही है या तेज वह भी समझ नहीं आता। अचानक वह एक तेज गेंद फेंकता है। फिर वह गति बदल देता है।' श्रीकांत का मानना है कि अगर भारत 2026 टी20 विश्व कप जीतता है, तो वरुण टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनने के प्रबल दावेदार हैं।

फीफा वर्ल्ड कप से पहले बड़ा संकेत, नेमार ने संन्यास को लेकर तोड़ी चुप्पी

सैंटोस (ब्राज़ील) (एजेंसी)। ब्राज़ील के स्टार फुटबॉलर नेमार ने संकेत दिया है कि वह 2026 के अंत में प्रोफेशनल फुटबॉल से संन्यास ले सकते हैं। हालांकि उनका पूरा फोकस इस साल होने वाले FIFA World Cup 2026 में ब्राज़ील का प्रतिनिधित्व करने पर है। लगातार चोटों से जूझ रहे 34 वर्षीय नेमार फिलहाल फिटनेस हासिल करने की जद्दोजहद में हैं और एक बार फिर राष्ट्रीय टीम में वापसी की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

सैंटोस में वापसी के बाद फिर से मिला आत्मविश्वास

Santos FC के साथ अपने करियर की नई शुरुआत कर रहे नेमार ने दिसंबर 2025 में घुटने की सर्जरी करवाई थी। इससे पहले वह एसीएल (ACL) चोट के कारण पूरा सीजन नहीं खेल पाए थे। FC Barcelona और Paris Saint-Germain के साथ सफल कार्यकाल के बाद नेमार ने अपने पुराने क्लब सैंटोस में वापसी की है। उनका कॉन्ट्रैक्ट कैलेंडर वर्ष के अंत तक बढ़ा दिया गया है।

नेमार ने कहा, 'मुझे नहीं पता भविष्य में क्या होगा। संभव है कि दिसंबर में मैं संन्यास लेने का फैसला करूं। मैं दिन-प्रतिदिन जी रहा हूं। यह साल मेरे लिए, सैंटोस के लिए और ब्राज़ीलियन नेशनल टीम के लिए बेहद अहम है।'

फिटनेस पर पूरा ध्यान, आलोचनाओं का दिया जवाब

नेमार ने बताया कि वह इस सीजन 100 प्रतिशत फिट होकर लौटना चाहते थे, इसलिए कुछ मैचों में आराम किया। उन्होंने कहा कि लोग बाहरी बातें करते हैं, लेकिन वह अपनी फिटनेस को प्राथमिकता दे रहे हैं। 'मैं बिना दर्द और बिना डर के, पूरी तरह फिट होकर लौटना चाहता था। आखिरी मैच में मेरी वापसी अच्छी रही। मैं धीरे-धीरे अपनी लय में आ रहा हूं।'

वर्ल्ड कप में वापसी बड़ी प्राथमिकता

ब्राज़ील के लिए 128 मैचों में 79 गोल कर चुके नेमार अक्टूबर 2023 के बाद से राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक ब्राज़ील के कोच Carlo Ancelotti उनकी फिटनेस पर नजर बनाए हुए हैं।

ब्राज़ील को FIFA World Cup 2026 में ग्रुप C में रखा गया है। टीम 13 जून को Morocco national football team के खिलाफ MetLife Stadium में अपना अभियान शुरू करेगी। इसके बाद हैती और स्कॉटलैंड से मुकाबले होंगे। फिलहाल नेमार का पूरा ध्यान फिटनेस और प्रदर्शन पर है, जबकि उनके करियर का भविष्य अभी अनिश्चित बना हुआ है।

मैं 24×7 दिखाई नहीं देना चाहती

एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला ने हाल ही में पीआर के साथ काम करने को लेकर बातचीत की। इसमें उन्होंने अपने पब्लिक अपीरियंस को लेकर भी कहा कि वो क्यों ज्यादा सुर्खियों में नहीं रहती। इंटरव्यू में शोभिता धुलिपाला ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल पसंद को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि भले ही उन्होंने कभी-कभी पीआर टीम के साथ काम किया है, लेकिन वह खुद को उस सिस्टम से ज्यादा जुड़ा हुआ महसूस नहीं करतीं।

शोभिता ने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में मैंने थोड़े-बहुत समय के लिए पीआर फर्म के साथ काम किया है। लेकिन मेरी पर्सनैलिटी और जिस तरह की जिंदगी मैं जीना चाहती हूं, उसके हिसाब से मैंने तय किया है कि मुझे इस तरह की 'एम्प्लीफिकेशन' की जरूरत नहीं है। मैं 24×7 दिखाई नहीं देना चाहती और न ही चाहती हूं कि हर समय मेरे बारे में बातें हों। यह मेरी रुचि नहीं है और मुझे यह अपने लिए जरूरी नहीं लगता।'

पीआर के साथ करने पर बोलीं शोभिता

उन्होंने आगे साफ किया कि वह फिलहाल पीआर के साथ काम नहीं कर रही हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि यह हर किसी की अपनी पसंद होती है। उन्होंने कहा, 'मैं पीआर के साथ काम नहीं करती, लेकिन शायद यह किसी और के लिए सही हो। इस मामले में कोई नियम तय नहीं है। हर किसी की अपनी पसंद होती है, और मुझे अपनी पसंद को लेकर पूरी स्पष्टता है।' शोभिता का यह बयान दिखाता है कि वह लाइमलाइट से ज्यादा अपने काम और निजी जीवन को अहमियत देती हैं। शोभिता आखिरी बार लव सितारा में नजर आईं थीं, जो फिलहाल जीफाइव पर स्ट्रीम हो रही है। इससे पहले वो 'चीकाटिलो' फिल्म में नजर आईं थीं, जो कि एक सस्पेंस-थ्रिलर है।

आमिर खान के बेटे जुनैद संग बनेगी तमन्ना की जोड़ी

फिल्म 'रागिनी 3' को शशांक घोष डायरेक्टेड करेंगे। फिल्म की स्टार कास्ट को लेकर मेकर्स ने जानकारी साझा की है। इसमें तमन्ना भाटिया के अपोजिट कौन हीरो है? फिल्म में उनकी जोड़ी किसके साथ बन रही है?

'रागिनी 3' में जुनैद खान तमन्ना भाटिया के साथ नजर आएंगे। आमिर खान के बेटे जुनैद ने इससे पहले 'लवयापा' जैसी रोमांटिक फिल्म की थी। अब वह हॉरर फिल्म का हिस्सा बन रहे हैं। इसमें तमन्ना और वह दमदार किरदारों में नजर आएंगे। 'रागिनी' सीरीज की फिल्मों में रोमांस, धोखा और हॉरर का डोज दर्शकों को दिया जाता है, ऐसा ही कुछ तीसरी कड़ी में भी देखने को मिलेगा।

फिल्म 'रागिनी 3' में शामिल उम्दा टीम

तमन्ना भाटिया और जुनैद की इस फिल्म में एक उम्दा टीम शामिल है। साहिर रजा इस प्रोजेक्ट का क्रिएटिव एंगल देखेंगे। शशांक घोष फिल्म के निर्देशक हैं। वह पहले भी बालाजी मोशन पिक्चर्स के साथ 'वीरे दी वेडिंग' और 'फ्रेडी' जैसी सफल फिल्में कर चुके हैं।

कई फिल्म प्रोजेक्ट्स का हिस्सा हैं तमन्ना भाटिया?

फिल्म 'रागिनी 3' के अलावा तमन्ना भाटिया 'वी शांताराम' की बायोपिक कर रही हैं। वहीं एक हॉरर फिल्म 'वन' भी कर रही हैं। इसके अलावा 'रेंजर' नाम की फिल्म भी उनके पास हैं।

'तू या मैं' ने बदली शनाया की सोच

फिल्मी दुनिया में किसी भी कलाकार के लिए खुद को साबित करना और आलोचनाओं से जूझना आसान नहीं होता। ऐसा ही अनुभव अभिनेत्री शनाया कपूर ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए साझा किया। इस पोस्ट में उन्होंने नई फिल्म 'तू या मैं' और अपने किरदार 'अवनी' को लेकर दिल की बातें रखीं। इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए शनाया कपूर ने कहा, ''तू या मैं' मेरे जीवन में उस वक्त आई, जब मैं खुद को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं थी। मेरे अंदर आत्मविश्वास की कमी थी और मैं खुद से सवाल करती रहती थी। ऐसे समय में इस फिल्म और इस किरदार का मिलना मेरे लिए किसी सहारे से कम नहीं था। इस फिल्म ने मुझे सिर्फ एक भूमिका नहीं दी, बल्कि खुद पर भरोसा करना भी सिखाया।'' अपने किरदार के बारे में शनाया ने कहा, ''अवनी ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। फिल्म में अवनी एक ऐसी लड़की है, जो मुश्किल हालात में भी हार नहीं मानती और जानलेवा परिस्थितियों का सामना करती है। अवनी मगरमच्छों से लड़ती है। अवनी के इसी अंदाज ने मुझे डर से लड़ना सिखाया। इस किरदार ने मुझे निडर और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी। मैं अभी भी अवनी के मजबूत व्यक्तित्व तक पहुंचने की कोशिश कर रही हूं। यह सफर मेरे लिए बेहद खास है।'' अपनी पोस्ट में शनाया ने दर्शकों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा, ''करियर की शुरुआत में ही दर्शकों से इतना प्यार मिलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। लोगों की तारीफ, प्रतिक्रियाएं और समीक्षाएं मुझे भावुक कर देती हैं। मैं दर्शकों का धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने मुझे अवनी के रूप में अपनाया।

पलाश मुछाल की फिल्म में नजर आएंगी डेजी शाह

बीते दिन पलाश मुछाल के लिए काफी मुसीबतों भरे गुजरे। पहले महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना से शादी टूटी फिर उन पर पैसों को लेकर धोखाधड़ी के आरोप लगे। मगर अब पलाश अपने विवादों को पीछे छोड़ अपनी प्रोफेशनल लाइफ पर ध्यान दे रहें हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक पलाश जल्द ही अपना अपकमिंग प्रोजेक्ट रिलीज कर सकते हैं। अपने पोस्ट में तरण ने बताया कि पलाश एक मुंबई बेस्ड थ्रिलर सीरीज लाने वाले हैं। जिसमें एक्ट्रेस डेजी शाह और एक्टर श्रेयस तलपडे नजर आएंगे। हालांकि अब तक फिल्म का नाम सामने नहीं आया। मेकर्स ने भी अब तक फिल्म की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी मगर पलाश ने पोस्ट शेयर कर के इन रिपोर्ट्स पर मुहर लगा दी है। पोस्ट के मुताबिक फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है।

क्या होगी फिल्म की कहानी

फिल्म में लीड कैरेक्टर्स के नाम डेजी शाह और श्रेयस तलपड़े सामने आए हैं। रिपोर्टस के मुताबिक श्रेयस एक आम आदमी के किरदार में नजर आएंगें। अब तक फिल्म की सिर्फ इतनी ही जानकारी शेयर की गई है। फिल्म की बाकी कास्ट, स्टोरी लाइन , रिलीज डेट कुछ भी मेकर्स ने रिवील नहीं किया।

क्या रणवीर सिंह की जगह अब ऋतिक रोशन निभाएंगे 'डॉन 3' में लीड रोल?

एक्टर ने किया खुलासा

हाल ही में रणवीर सिंह ने 'डॉन 3' मूवी से किनारा कर लिया था। इसके बाद से ही फरहान अख्तर की डॉन 3 फिल्म चर्चाओं में है और ये सवाल पूछे जा रहे हैं कि रणवीर के बाद अब कौन इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएगा। अब ऋतिक रोशन ने भी फिल्म को लेकर बड़ा खुलासा किया है।

फिल्म का हिस्सा होने पर क्या बोले ऋतिक

एक्टर ऋतिक रोशन ने शुक्रवार के दिन खुलासा किया कि उन्हें कभी 'डॉन 3' के लिए अप्रोच नहीं किया गया था। उनका ये बयान तब सामने आया जब ये खबरें सामने आ रही थी कि फिल्ममेकर फरहान अख्तर ने रणवीर सिंह के जाने के बाद उनकी जगह ऋतिक रोशन को रोल देने के लिए अप्रोच किया है। बातचीत में ऋतिक ने कहा, 'जो अफवाहें फैल रही थी, अब उनपर विराम लगाने का समय आ गया है। मैं साफ तौर पर ये बात कह रहा हूं कि मुझे कभी 'डॉन 3' फिल्म के लिए अप्रोच नहीं किया गया था। मैं मीडिया से अनुरोध करता कि वे इस तरह की किसी भी अपुष्ट रिपोर्ट से दूर रहें।' हालांकि अबतक फरहान अख्तर और रणवीर सिंह ने इन अटकलों पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। लेकिन अफवाहें थीं कि दोनों के बीच किसी मतभेद का असर 'डॉन 3' पर पड़ा है। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया कि ऋतिक रोशन ने इस प्रोजेक्ट में दिलचस्पी दिखाई है। बता दें, फरहान अख्तर ने साल 2023 में डॉन 3 की घोषणा की थी। जिसमें रणवीर सिंह और कियारा आडवाणी को लीड रोल में बताया गया था। हालांकि, फिलहाल खबरें हैं कि कोई भी कलाकार आधिकारिक तौर पर इस फिल्म से जुड़ा नहीं है।

हॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं फरहान

वहीं, फरहान इन दिनों अपने दूसरे प्रोजेक्ट्स पर ध्यान दे रहे हैं। इनमें लंबे समय से चर्चा में रही 'जी ले जरा' और उनका हाल ही में घोषित हॉलीवुड डेब्यू भी शामिल है। हॉलीवुड फिल्म 'द बीटल्स: ए फोर फिल्म सिनेमैटिक इवेंट' से फरहान अख्तर का हॉलीवुड डेब्यू होने वाला है।

स्टार को बीमा पॉलिसी समझते हैं मेकर्स, मेरे नाम पर कोई 100 करोड़ की फिल्म नहीं बनाएगा

टीवी की जस्सी के नाम से मशहूर अभिनेत्री मोना सिंह अब इंडस्ट्री की सबसे बिजी अभिनेत्रियों में से एक हैं। वो फिल्मों के साथ-साथ वेब सीरीज में भी लगातार काम कर रही हैं। हाल ही में मोना सिंह नेटफ्लिक्स की सीरीज 'कोहरा' के दूसरे सीजन में नजर आई हैं। लगातार फिल्मों और सीरीज में अहम भूमिकाएं निभाने के बावजूद मोना सिंह का कहना है कि प्रोड्यूसर्स उनके नाम पर 100 करोड़ रुपए के बजट की फिल्म बनाने का जोखिम नहीं उठाना चाहते।

मुझे पता है मैं क्या नहीं चाहती

बातचीत के दौरान मोना सिंह ने अपने करियर के उस मुकाम पर होने की बात की, जहां वह आसानी से प्रोजेक्ट्स को ठुकरा नहीं सकतीं। अभिनेत्री ने कहा कि यह मेरे द्वारा लिए गए फैसलों की वजह से ही है कि मैं यहां हूं। मैंने प्रासंगिक बने रहने और अपने सिद्धांतों पर कायम रहने की कोशिश की है। इसलिए मैंने कई प्रोजेक्ट्स को मना किया है। हालांकि, मना करना कभी आसान नहीं होता। मुझे लगता है कि जीवन में मुझे पता है कि मैं क्या नहीं चाहती। यह स्पष्टता अब मेरे भीतर है।

पोस्टर पर स्टार लाता है बॉक्स ऑफिस पर पैसा

अभिनेत्री ने आगे कहा कि निर्माता सितारों को एक बीमा पॉलिसी की तरह देखते हैं, ताकि उन्हें अपना पैसा वापस मिल सके। पोस्टर पर एक स्टार बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की गारंटी देता है। फिल्म निर्माण आखिरकार एक व्यवसाय है। आप जानते हैं कि आप निवेश कर रहे हैं और आपको उससे कहीं अधिक पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। दूसरी ओर किरदार सिर्फ सर्विस प्रोवाइडर बनकर रह जाते हैं। यही सच्चाई है। अगर आप मेरी मुख्य भूमिका वाली 100 करोड़ रुपये की फिल्म की बात कर रहे हैं, तो मुझे ऐसा होता हुआ नहीं दिख रहा है।

'कोहरा 2' में नजर आई हैं मोना सिंह

वर्कफ्रंट की बात करें तो मोना सिंह हाल ही में नेटफ्लिक्स की सीरीज 'कोहरा' के दूसरे सीजन में नजर आई हैं। सुदीप शर्मा, गुंजित चोपड़ा और दिग्गी सिसोदिया द्वारा निर्मित और रणदीप झा द्वारा निर्देशित इस क्राइम थ्रिलर में मोना सिंह मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ बरुण सोबती, रणविजय सिंह, अनुराग अरोरा और पूजा भामर्रा भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। सीरीज को क्रिटिक्स और दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

लखनऊ में राहुल गांधी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

लखनऊ (एजेंसी)। राहुल गांधी के खिलाफ भाजयुमो के कार्यकताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने VVIP गेस्ट हाउस के सामने से कांग्रेस दफ्तर की ओर कूच किया। इस दौरान पुलिस ने रोड को बैरिकेड करके पूरी तरह जाम कर दिया है। कार्यकताओं ने 'राहुल गांधी होश में आओ, होश में आओ' और 'राहुल गांधी मुदार्बाद, मुदार्बाद' जैसे नारे लगाए और कांग्रेस नेता का पुतला जला दिया। इस प्रदर्शन में लखनऊ के भाजयुमो महानगर, भाजपा पार्षद और अन्य पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता श्श्क्ध गेस्ट हाउस के पास इकट्ठा हुए। यहां राहुल गांधी का पुतला फूंकने की तैयारी थी। यह प्रदर्शन इंटरनेशनल अकसमिट में कांग्रेस कार्यकताओं के शर्ट उतारकर प्रदर्शन के विरोध में किया जा रहा है। भाजयुमो के कार्यकर्ता आधा किलोमीटर चले। शिवपाल यादव के बंगले के सामने पुतला जला दिया। इस दौरान मुदार्बाद के नारे भी लगाते रहे।

भाजयुमो के उपाध्यक्ष संजय शुक्ला ने कहा कि राहुल गांधी भाजपा का विरोध करते-करते देश का विरोध करने लगे हैं। इन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रही अक समिट में अपने कार्यकर्ता भेजकर वहां नग्न प्रदर्शन करवाया। इससे देश की छवि धूमिल हुई।

वाराणसी जा रहा सपा का डेलिगेशन लखनऊ में रोका गया

लखनऊ (एजेंसी)। विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव को शनिवार को वाराणसी जाने से पहले ही लखनऊ में पुलिस ने रोक दिया। लखनऊ के बहुखंडी मंत्री आवास के सी-ब्लॉक में सुबह से ही पुलिस बल तैनात कर दिया गया था। लाल बिहारी यादव वाराणसी के दाल मंडी क्षेत्र में रहने वाले लोगों से मुलाकात करने वाराणसी जा रहे थे, लेकिन गाड़ी में बैठने से पहले ही पुलिस अधिकारियों ने उन्हें रोकते हुए हाउस अरेस्ट कर लिया। आवास के बाहर तैनात रही पुलिस जानकारी के अनुसार, लाल बिहारी यादव अपने सरकारी आवास से वाराणसी के लिए रवाना होने की तैयारी में थे। इसी दौरान बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी बहुखंडी मंत्री आवास के सी ब्लॉक पहुंच गए। पुलिस अधिकारियों ने उन्हें बाहर निकलने से मना कर दिया। पुलिस का कहना था कि वाराणसी के दाल मंडी क्षेत्र में उनकी मौजूदगी से कानून-व्यवस्था की स्थिति प्रभावित हो सकती है।

दिल्ली में आतंकी हमले का अलर्ट

लाल किले की सुरक्षा बढ़ाई, चांदनी चौक का मंदिर भी निशाने पर, धार्मिक-ऐतिहासिक जगहों की सिक्योरिटी बढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट के बाद दिल्ली में सिक्योरिटी बढ़ाई गई है। लाल किले के आसपास आईईडी ब्लास्ट की आशंका को लेकर अलर्ट जारी किया है। खुफिया जानकारी के अनुसार पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (LeT) ने भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों को अपने निशाने पर रखा है। सूत्रों के मुताबिक चांदनी चौक इलाके का मंदिर भी आतंकियों के टारगेट पर है। इसके चलते दिल्ली के प्रमुख धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों

पर सुरक्षा बढ़ाई गई है। हालांकि इन सूचनाओं की अभी जांच की जा रही है, लेकिन एहतियात बरती जा रही है। यह अलर्ट 10 नवंबर 2025 को लाल किले के पास हुए एक कार बम धमाके के बाद आया है। उस धमाके में 13 लोगों की मौत हो गई थी और 20 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास विस्फोटकों से भरी कार फटने से आसपास खड़ी कई गाड़ियों में आग लग गई थी और इलाके में अफरा-तफरी मच गई थी। 6 फरवरी को पाकिस्तान के इस्लामाबाद की मस्जिद में हुए धमके का बदला लेने के लिए लश्कर भारत में बड़ी आतंकी वारदात के फिराक में है।

सीसीटीवी निगरानी बढ़ाई गई

दिल्ली पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां मिलकर स्थिति पर नजर रख रही हैं। संवेदनशील इलाकों में CCTV से निगरानी, वाहनों की जांच और अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। साथ ही बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड और क्विक रिएक्शन टीमों को तैनात की गई हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की तुरंत पुलिस या आपात सेवाओं को सूचना देने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है, यह कदम केवल सावधानी के तौर पर उठाए गए हैं।

भाजपा का देशभर में प्रदर्शन, महाराष्ट्र में राहुल गांधी को काले झंडे दिखाए

मायावती-अखिलेश बोले: एआई समिट में कांग्रेस का प्रदर्शन गलत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव और बसपा चीफ मायावती ने दिल्ली के भारत मंडपम में अक समिट में शुक्रवार को कांग्रेस के प्रदर्शन को गलत बताया है। अखिलेश ने कहा, जब दुनियाभर से डेलीगेट्स आये हो तो ऐसा हंगामा नहीं करना चाहिए। सरकार से लड़ाई हमारा इंटर्नल मामला है, फॉरेन डेलीगेट्स के सामने हमारे देश का अपमान होता है। मायावती ने X पर लिखा- कांग्रेस का प्रदर्शन निन्दनीय है। अगर यह सम्मेलन अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का नहीं होता तो अलग बात थी, लेकिन अक समिट के दौरान ऐसा व्यवहार करना चिन्ता की बात है।

इधर, कांग्रेस के AI समिट में हंगामा करने के विरोध में भाजपा ने दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, तेलंगाना और जम्मू-कश्मीर में प्रदर्शन किया। मुंबई के मुलुंड में भाजपा कार्यकताओं ने राहुल गांधी के काफिले को काले झंडे दिखाए। उधर, AI समिट में हंगामा करने वाले कांग्रेस के चारों कार्यकताओं को आज पटियाला कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस ने कोर्ट में कहा कि प्रदर्शन करने वाले नेपाल के Gen-Z आंदोलन से प्रेरित थे। यह प्रदर्शन एक बड़ी साजिश का हिस्सा था। हंगामे के दौरान कई ग्लोबल लीडर्स और टेक इंडस्ट्री के एक्सपर्ट वहां मौजूद थे। पुलिस ने कहा कि यह जांच करनी है कि आरोपियों ने PM मोदी की फोटो वाली टी-शर्ट किससे छपवाई। इसके अलावा उनके मोबाइल फोन भी बरामद करने हैं। इसके बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट रवि ने चारों आरोपियों को 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया। 20 फरवरी को दिल्ली स्थित भारत मंडपम में इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकताओं ने शुक्रवार को अकसमिट 2026 में भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के कई वीडियो भी सामने आए थे। इसमें 10 से ज्यादा कार्यकर्ता हाथ में सफेद रंग की टी-शर्ट लिए हुए थे। टी-शर्ट पर PM मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की फोटो लगी है। उस पर लिखा है- PM इज कॉम्प्रोमाइज्ड। गिरफ्तार लोगों ने बिहार से यूथ कांग्रेस के नेशनल सेक्रेटरी कृष्ण हरि, बिहार में IYC स्टेट सेक्रेटरी कुंदन यादव, उत्तर प्रदेश में IYC स्टेट प्रेसिडेंट अजय कुमार और तेलंगाना से नरसिम्हा यादव शामिल हैं।

पीएम ने 16 फरवरी को एआई समिट का उद्घाटन किया था

2026 इंडिया एआई इंपैक्ट समिट नई दिल्ली के भारत मंडपम में 16 फरवरी 2026 से शुरू हुआ। यह 20 फरवरी तक होना था लेकिन भीड़ और आयोजनों के चलते इसे 21 फरवरी 2026 तक बढ़ा दिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 16 फरवरी को समिट का उद्घाटन किया था। यहां दुनियाभर की कंपनियों ने अपने लेटेस्ट AI सॉल्यूशंस को दुनिया के सामने पेश किया है। यहां आम लोग देख सकते हैं कि AI असल जिंदगी में कैसे काम करता है और भविष्य में अकसे खेती, सेहत और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में क्या बदलाव लाने वाला है।

अजित पवार के भतीजे का आरोप: प्लेन क्रैश बड़ी साजिश

■ दुर्घटना के समय कई धमाके हुए थे

मुम्बई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के विधायक रोहित पवार ने शनिवार को अजित पवार के प्लेन क्रैश पर फिर सवाल उठाए। उन्होंने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्क्रीन पर डेटा और फोटो दिखाए। उन्होंने कहा कि ब्लैक बॉक्स को लेकर शक जताया जा रहा था। उनके मुताबिक, दुर्घटना के समय सिर्फ एक धमाका नहीं हुआ था, बल्कि कई धमाके हुए थे। विमान में सामान रखने वाली जगह पर अतिरिक्त पेट्रोल के डिब्बे रखे गए थे, जिससे आग भड़की। सभी पहलुओं की गहराई से जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर साजिश की बात करें तो यह दो तरह की हो सकती है, राजनीतिक या व्यावसायिक। अभी यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस मामले में किस तरह की साजिश शामिल है। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार की 28 जनवरी को बारामती में प्लेन क्रैश में मौत हो गई थी। यह प्लेन श्रफ कंपनी का था। रोहित ने आरोप लगाया है कि अजित पवार प्लेन क्रैश के मामले को कुछ लोग कंट्रोल करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को लेटर लिखा है। मैं आपसे केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू के मामले में तुरंत कार्रवाई करने का निवेदन करता हूं। कंपनी VSR और उनकी पार्टी के बीच संबंधों को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। इन संबंधों की जांच किसी स्वतंत्र और निष्पक्ष एजेंसी से कराई जानी चाहिए, जरूरत हो तो अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों की मदद भी ली जाए।

राम मंदिर की भव्यता देख मंत्रमुग्ध हुए गुयाना के उप राष्ट्रपति

अयोध्या। (एजेंसी)। गुयाना के उप राष्ट्रपति भारत जगदेव शनिवार को रामनगरी अयोध्या पहुंचे। यहां उन्होंने राम मंदिर में रामलला के दर्शन करके पूजा-अर्चना की। वह सुबह करीब 11 बजे प्राइवेट एयरक्राफ्ट से महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट उतरे।एयरपोर्ट पर शंख बजाने के साथ पारंपरिक अवधी रीति-रिवाजों से मेयर गिरीश पति त्रिपाठी समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। यहां से वह राम मंदिर पहुंचे। वीआईपी गेट नंबर-11 से अंदर गए। मंदिर ट्रस्ट

के जनरल सेक्रेटरी चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने मंदिर में उनका स्वागत किया। भारत जगदेव ने भगवान राम के 'दर्शन' किए। इस दौरान उन्होंने अंदर कुबेर टीला और सप्त ऋषि मंदिर समेत दूसरे मंदिरों में भी दर्शन किया। ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने कहा कि भारत जगदेव दिल्ली में अक इम्पैक्ट समिट में शामिल हुए थे। वहां से वापस गुयाना जाने से पहले रामलला के दर्शन किए। उन्होंने राम मंदिर की शान और चल रहे कंस्ट्रक्शन काम की तारीफ की। इस मौके पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। अधिकारियों ने बताया कि एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी अपनी टीम के साथ तैनात रहे। इसके अलावा कमिश्नर राजेश कुमार, डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल सोमेन वर्मा और डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट निखिल टीकाराम फुंडे भी मौजूद रहे।

बस-वैन में आमने-सामने की भिड़ंत, 5 की मौत

भिंड (एजेंसी) शुक्रवार देर रात बस और वैन आमने-सामने भिड़ गए। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वैन पूरी तरह पिचक गई। उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए। हादसा गोहद चौराहा थाना अंतर्गत छींमका गांव

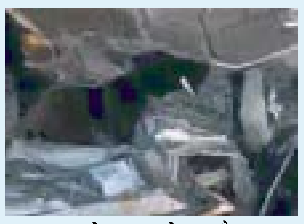

के पास नेशनल हाईवे-719 पर रात 2.30 बजे हुआ। गोहद चौराहा थाना प्रभारी मनीष धाकड़ के अनुसार, ईको वैन ग्वालियर से सवारियों को लेकर भिंड की ओर आ रहा था, जबकि बस भिंड से ग्वालियर की ओर जा रही थी। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ा। वहीं, घायलों को एम्बुलेंस से ग्वालियर रेफर किया गया। जयारोग्य हॉस्पिटल में उनका इलाज चल रहा है। टीआई मनीष धाकड़ ने बताया कि सभी मृतकों की पहचान हो गई है। इनमें प्रदीप प्रजापति पुत्र रामप्रकाश, उसका भांजा अतुल शिवहरे निवासी फूप और जगदीश भदौरिया निवासी स्योड़ा गांव अकोड़ा और आनंद भदौरिया पुत्र मुकेश भदौरिया निवासी परसोना गांव हैं।

ब्राजीली राष्ट्रपति ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की

पीएम मोदी बोले: 5 साल में 20 अरब डॉलर व्यापार का लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा 18-22 फरवरी तक भारत के राजकीय दौरे पर हैं। आज उन्होंने पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान लूला डी सिल्वा ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की। उन्होंने यह भी कहा, ह्यआतंकवाद किसी धर्म या राष्ट्रीयता से जुड़ा नहीं है। दूसरी ओर भारत और ब्राजील के बीच क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ एलिमेंट्स को लेकर समझौता हुआ है। पीएम मोदी ने कहा कि यह समझौता मजबूत सप्लाई चेन बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि भारत और ब्राजील ने अगले पांच सालों में द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर से अधिक करने का लक्ष्य रखा है। क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ एलिमेंट्स से जुड़ा समझौता दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी का एक प्रमुख हिस्सा है, जो ग्लोबल सप्लाई चेन में चीन की निर्भरता कम करने, ग्रीन एनर्जी ट्रांजिशन को सपोर्ट करने और विकासशील देशों की आवाज को मजबूत करने पर केंद्रित है। यह समझौता दोनों देशों को कच्चे माल के निर्यातक से आगे बढ़ाकर प्रोसेसिंग, वैल्यू एडिशन और रिसाइक्लिंग में भागीदार बनाने पर जोर देता है। खनन, प्रोसेसिंग और रिसाइक्लिंग: क्रिटिकल मिनरल्स (जैसे लिथियम, निकल, कोबाल्ट, ग्रेफाइट) और रेयर अर्थ एलिमेंट्स (REE) पर फोकस। सप्लाई चेन डाइवर्सिफिकेशन: चीन पर निर्भरता कम करना, खासकर एश बैटरी, रिन्यूएबल एनर्जी और हाई-टेक इंडस्ट्री के लिए। टेक्नोलॉजी ट्रांसफर: भारत की प्रोसेसिंग और रिफाइनिंग क्षमता ब्राजील के संसाधनों के साथ जोड़ी जाएगी। इन्वेस्टमेंट और जॉइंट वेंचरसः भारतीय कंपनियां ब्राजील में निवेश कर सकती हैं, जबकि ब्राजील भारतीय टेक्नोलॉजी और मार्केट एक्सेस चाहता है। ग्रीन ट्रांजिशन सपोटः क्लीन एनर्जी, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और अक से जुड़े टेक्नोलॉजी के लिए जरूरी मिनरल्स की सुरक्षित आपूर्ति। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने कहा, ह्यभारत को लेकर ब्राजील की उम्मीदें बहुत बड़ी हैं। अगर हम साथ मिलकर काम करेंगे, तो भारत-ब्राजील के रिश्ते और मजबूत होंगे।' उन्होंने कहा कि दोनों देश मिलकर ग्लोबल साउथ को भी मजबूत करेंगे, ताकि दुनिया को दो बड़ी महाशक्तियों के बीच किसी नए शीत युद्ध जैसी स्थिति का सामना फिर कभी न करना पड़े।

ब्राजीली राष्ट्रपति बोले- भारत में छठी बार आकर खुशी हो रही

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने कहा, ह्यमेरे प्रिय मित्र मोदी, इस देश में छठी बार आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। भारत और ब्राजील की यह मुलाकात बेहद खास है। हम सिर्फ ग्लोबल साउथ की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक ताकतें ही नहीं हैं, बल्कि यह एक डिजिटल शक्ति और एक नवीकरणीय ऊर्जा शक्ति की मुलाकात है। उन्होंने कहा कि भारत और ब्राजील दोनों ही विविधताओं से भरे बड़े देश हैं, सांस्कृतिक उद्योग के बड़े केंद्र हैं और हम दोनों शांति का समर्थन करते हैं।

अविमुक्तेश्वरानंद पर बच्चों के यौन शोषण का केस दर्ज होगा

प्रयागराज कोर्ट ने आदेश दिया, रामभद्राचार्य के शिष्य ने 2 पीड़ित बच्चे पेश किए थे

प्रयागराज (एजेंसी)। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती खिलाफ नाबालिग बच्चों के यौन शोषण की ऋक्क्र दर्ज करने के आदेश शनिवार को प्रयागराज की पॉक्सो कोर्ट ने दिए। जगद्गुरु रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने कोर्ट में 2 बच्चों को पेश करके यह आरोप लगाए थे। कैमरे के सामने कोर्ट में बच्चों के बयान दर्ज हुए थे। स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट विनोद कुमार चौरसिया की कोर्ट ने प्रयागराज पुलिस कमिश्नर की जांच रिपोर्ट के बाद शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद और शिष्य मुकुंदानंद ब्रह्मचारी पर

केस दर्ज करने के आदेश जारी किए। अदालत ने 13 फरवरी को आदेश रिजर्व रखा था। शिकायतकर्ता आशुतोष ब्रह्मचारी ने बताया- हम दर-दर भटक रहे थे। पुलिस के पास जा रहे थे। हमारी कोई सुनवाई नहीं हो रही थी। इसलिए न्याय के मंदिर में आए। आज लगा कि न्याय अभी जिंदा है। न्यायालय ने हमें आज न्याय दिया है। मैं अब साफ-साफ कहना चाहता हूं कि शिष्यों के साथ यौन शोषण और समलैंगिक अपराध किया गया। इसकी पुष्टि न्यायालय ने कर दी है। आशुतोष ब्रह्मचारी ने कहा- अखिलेश यादव और डिप्टी सीएम से कहना चाहता हूं कि मेरे साथ पैदल यात्रा में चलिए। विद्यामठ बनारस जा रहा हूं। जहां पर रंग रलिया मनाते हैं। पंचम तल पर दिखाना चाहता हूं। जहां पर इनका शीश महल है। वहां पर इनकी सखियां रहती हैं। जिसका नाम भी पता है। आज से पैदल यात्रा मेरी चलेगी। हम न्याय के लिए दर-दर लोगों के बीच में जाएंगे। लोगों को ऐसे पद पर नहीं बैठना चाहिए। ये लोग जेल के अंदर होने चाहिए। इसलिए हम लोग आज से यात्रा शुरू कर रहे हैं। 13 फरवरी को जज विनोद कुमार चौरसिया ने मामले की सुनवाई की थी। शिकायतकर्ता आशुतोष महाराज ने मामले की वकालत खुद की थी। उन्होंने जज से कहा- 2 शिष्यों ने मेरे पास आकर अपने साथ हुए यौन शोषण की कहानी सुनाई। शंकराचार्य के खिलाफ FIR दर्ज करके जांच करनी चाहिए। मुझे न्यायपालिका से ही इंसाफ की उम्मीद है। शंकराचार्य के वकील ने विरोध किया।

શું તમે દમણમાં બંગલો, ગેસ્ટહાઉસ કે હોટલ માટે પ્લોટ શોધી રહ્યા છો?

દમણમાં દેવકા રોડથી ૨૦૦ મીટરના અંતરે બંગલો, ગેસ્ટહાઉસ અને હોટલ લાયક એનએ પ્લોટ વેચવાના છે

પર્યટન નગરી દમણમાં દેવકા મેન રોડથી ૨૦૦ મીટરના અંતરે શહેર વિસ્તારમાં બંગલો, ગેસ્ટહાઉસ અને હોટલ લાયક એનએ પ્લોટ વેચવાના છે. ઇચ્છુક વ્યક્તિઓ નીચે જણાવેલ નંબર પર સંપર્ક કરી શકે છે.

મો.: 8238169304

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित। (समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)